

संपादकीय



श्री कृष्ण प्रेम भी, नीति भी युद्ध भी

भगवान श्रीकृष्ण को हम अलग-अलग रूपों में देखते हैं। कहीं वे नटखट बाल गोपाल हैं, कहीं राधा के कृष्ण हैं, कहीं ग्वालों के सखा हैं, कहीं अर्जुन के सारथी हैं और कहीं महाभारत के युद्ध में धर्म के पक्ष में खड़े एक ऐसे मार्ग दर्शक, जिनके बिना शायद इतिहास की दिशा ही कुछ और होती। लेकिन कृष्ण को केवल बांसुरी बजाते हुए माखन चुराते या रास रचाते देखा ना उनके विराट व्यक्तित्व को बहुत छोटा कर देना है। कृष्ण प्रेम भी हैं नीति भी हैं और आवश्यकता पड़ने पर युद्ध भी हैं। यही कृष्ण की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे जीवन को किसी एक रंग में नहीं देखते।

कृष्ण प्रेम हैं कृष्ण का नाम आते ही सबसे पहले प्रेम याद आता है यशोदा का लाड़ला कन्हैयाए ग्वालश्री कृष्णरूप प्रेम भीए नीति भीए कृष्ण भी बालों का मित्र कान्हा, गोपियों के प्रिय और राधा के कृष्ण। उनका प्रेम केवल पाने का प्रेम नहीं था। उसमें अपनापन थाए सम्पन्न था और एक ऐसी मिठास थी जिसमें कोई स्वाध नहीं था। आज हम प्रेम को भी अपने मतलब से जोड़ने लगे हैं। जब तक सामने वाला हमारी इच्छा के अनुसार व्यवहार करे, तब तक प्रेम रहता है। थोड़ी असहमति हुई और प्रेम समाप्त। कृष्ण हमें सिखाते हैं कि प्रेम का अर्थ किसी को बांधकर रखना नहींए बल्कि उसके अस्तित्व का सम्मान करना भी है। शायद इसीलिए कृष्ण का प्रेम आज भी हजारों वर्षों बाद लोगों के मन में जीवित है। कृष्ण नीति हैं। कृष्ण केवल प्रेम करना नहीं जानते थे, उन्हें जीवन की कठिन परिस्थितियों से निकलने की नीति भी आती थी। महाभारत में कृष्ण ने स्वयं शस्त्र नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि वे युद्ध में हथियार नहीं उठाएंगे। लेकिन उन्होंने अर्जुन का सारथी बनाया स्वीकार किया।

सोचिए ए जिसके पास स्वयं की पूरी सेना होए जो चाहता तो युद्ध की दिशा बदल सकता थाए वह राजा बनकर नहीं बल्कि सारथी बनकर खड़ा हुआ। यही कृष्ण की नीति थी। उन्होंने अर्जुन को केवल युद्ध करने के लिए नहीं कहाए बल्कि उसके भ्रम को दूर किया। अर्जुन अपने ही लोगोंए गुरुजनों और रिश्तेदारों को सामने देखकर विचलित हो गया था। कृष्ण ने उसे समझाया कि जीवन में ऐसे क्षण आते हैं जब भावनाएं निर्णय पर हावी हो जाती हैं। तब विवेक की जरूरत होती है। आज भी हमारे जीवन में छोटे-छोटे कुरुक्षेत्र हैं। कभी परिवार मेंए कभी नौकरी मेंए कभी समाज में और कभी अपने ही मन के भीतर। ऐसे समय में हमें भी कृष्ण की तरह भावनाओं के साथ विवेक रखना सीखना होगा। कृष्ण युद्ध भी हैं कृष्ण को केवल प्रेम और शांति का प्रतीक मानना भी अधूरा है। उन्होंने युद्ध को पसंद नहीं किया, लेकिन जब अधर्म के सामने शांति के सारे रास्ते बंद हो गए तो वे युद्ध से पीछे भी नहीं हटे। उन्होंने पहले शांति का प्रयास किया। कोशों से समझौते की कोशिश की। यहां तक कि पांडवों के लिए केवल पांच गांव मांगने की बात तक रखी गई। लेकिन जब अहंकार ने न्याय को स्वीकार नहीं किया तब युद्ध अनिवार्य हो गया।

यहां कृष्ण हमें बहुत बड़ी सीख देते हैं, शांति अच्छी हैए लेकिन अन्याय को कीमत पर नहीं छोड़ें। क्षमा महान है, लेकिन हर बार गलत को सहते रहना महानता नहीं है। आज हम अक्सर यह सोचकर चुप रह जाते हैं कि विवाद क्यों बढ़ाए। परिवार में कोई गलत कर रहा है तो चुप रहे, समाज में अन्याय हो रहा है तो चुप रहोए किसी कमजोर के साथ गलत हो रहा है तो यह सोचकर आंखें फेर लो कि हमें क्या लेना-देना। कृष्ण का जीवन हमें बताता है कि जहां अधर्म होए वहां केवल मौन रहना पर्याप्त नहीं है। कृष्ण की सबसे बड़ी सीखएपरिस्थिति के अनुसार धर्म का पालन करो।

कृष्ण का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि जीवन हमेशा सीधी रेखा में नहीं चलता। कभी प्रेम जरूरी होता हैए कभी नीति और कभी संघर्ष। हर परिस्थिति में एक ही तरीका अपनाया बुद्धिमान नहीं है। बच्चे से प्रेम करना है तो कभी उसे समझाना होगा, कभी डांटना भी पड़ेगा। परिवार को बचाना है तो कभी समझौता करना होगा और कभी गलत बात के सामने दृढ़ होना होगा। समाज में शांति चाहिए तो संवाद जरूरी है, लेकिन जब संवाद का रास्ता बंद कर दिया जाए तो अन्याय के खिलाफ खड़ा होना भी जरूरी है। यही कृष्ण हैं। वे परिस्थिति के अनुसार अपना रूप बदलते हैं, लेकिन धर्म का साथ नहीं छोड़ें।

आज के मनुष्य को कृष्ण की सबसे ज्यादा जरूरत है आज हमारे पास सुविधाएं बहुत हैं, लेकिन मन की शांति कम है। हमारे पास संपर्क के साधन बहुत हैंए लेकिन रिश्तों में दूरी बढ़ रही है। हम बोल बहुत रहे हैं, लेकिन सुनना कम हो गया है। हमारे पास ज्ञान बहुत है, लेकिन सही समय पर सही निर्णय लेने का विवेक कम होता जा रहा है। ऐसे समय में कृष्ण का जीवन हमें फि से याद दिलाता है कि जीवन केवल सुख और सुविधा का नाम नहीं है। जीवन में प्रेम भी आएगा, मोह भी आएगाए संघर्ष भी आएगा और निर्णय लेने का कठिन घड़ी भी आएगी। हर बार कोई हमारे लिए सारथी बनकर नहीं आएगा। कई बार हमें अपने ही भीतर के कृष्ण को जानना होगा। वह कृष्ण जो संकट में घबरता नहीं।

वह कृष्ण जो प्रेम करना जानता है। वह कृष्ण जो नीति समझता है। वह कृष्ण जो अन्याय के सामने झुकता नहीं और वह कृष्ण जो हमें यह समझाता है कि परिणाम की चिंता में अपने कर्म से पीछे नहीं हटना चाहिए। जन्माष्टमी केवल आधी रात को मंदिरों में घंटियां बजाने और भगवान के जन्म का उत्सव मनाने का दिन नहीं है। यह अपने भीतर कृष्ण को जन्म देने का अवसर भी है। हमारे भीतर थोड़ा प्रेम जन्म लेए थोड़ा विवेक जन्म लेए थोड़ा साहस जन्म लेए थोड़ी करुणा जन्म ले और अन्याय के सामने खड़े होने की शक्ति जन्म ले। यदि ऐसा हो जाए तो कृष्ण की जन्माष्टमी केवल मंदिर में नहींए हमारे जीवन में मनाई जाएगी। कृष्ण ने हमें जीवन से भागना नहीं सिखाया। उन्होंने जीवन के बीच खड़े होकर उसे समझना सिखाया। उन्होंने प्रेम किया तो पूरी आत्मीयता से किया। नीति अपनाई तो धर्म के लिए अपनाई और युद्ध हुआ तो अधर्म के विरुद्ध खड़े होने से पीछे नहीं हटे। शायद कृष्ण के विराट व्यक्तित्व का यही सार हैए जहां प्रेम चाहिए वहां प्रेम बनेएजहां नीति चाहिए वहां विवेक बने और जहां अधर्म सामने खड़ा होए वहां साहस बनकर खड़े हो जाओ। यही कृष्ण हैं। प्रेम भी नीति भी और आवश्यकता पड़ने पर युद्ध भी।

वीरेंद्र हीरालाल पथरिया, स्वतंत्र लेखक



मेघ: आत्मविश्वास बढ़ेगा और नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में प्रभाव बढ़ेगा। खर्च और स्वास्थ्य को लेकर सावधानी रखें। शुभ रंग- लाल।

वृषभ: धन लाभ के योग हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और नेतृत्व क्षमता मजबूत होगी। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। शुभ राग- क्रोम।

मिथुन: पुराने कार्यों में आ रही बाधाएं दूर होंगी। संपर्कों से लाभ मिल सकता है। अधिकारियों से मतभेद से बचें और धन उधार देने में सावधानी रखें। शुभ रंग- गुलाबी।

कन्या: योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर सफलता मिलेगी। करियर में नए अवसर मिल सकते हैं। व्यापार में लाभ के योग हैं। शुभ रंग- सफेद।

सिंह: मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा। पारिवारिक परेशानियां दूर हो सकती हैं। कार्यक्षेत्र में स्थिति बेहतर रहेगी, लेकिन वाणी में संयम रखें। शुभ रंग- मैरून।

कन्या: कामकाज की बाधाएं दूर होंगी और करियर से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। निवेश और लंबी यात्रा में सावधानी रखें। शुभ रंग- हरा।

तुला: धन लाभ के लिए मेहनत बढ़ाने का समय है। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। किसी से विवाद की स्थिति से बचें। शुभ रंग- केसरिया।

वृश्चिक: भाग्य का साथ मिलेगा और काम तेजी से पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र का विस्तार संभव है। व्यापार में धन लाभ के योग हैं। शुभ रंग- हल्का लाल।

धनु: दूर स्थान से अच्छी खबर मिल सकती है। मन की चिंता दूर होगी, लेकिन खर्च बढ़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शुभ रंग- केसरिया।

मकर: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी सराहना होगी और साझेदारी के काम में लाभ मिल सकता है। शुभ रंग- सफेद।

कुंभ: नेतृत्व क्षमता में वृद्धि होगी और जिम्मेदारियां सफलतापूर्वक निभाएंगे। व्यापार में सुधार के संकेत हैं। पारिवारिक विवाद से बचें। शुभ रंग- आसमानी।

मीन: सावधानी से काम करें और अनावश्यक खर्च से बचें। विदेश से लाभ की खबर मिल सकती है। विवाद और बड़े निवेश से दूरी रखें। शुभ रंग- नारंगी।

मुफ्त सुविधाओं से आगे की राजनीति: रोजगार और आत्मनिर्भरता पर कब होगी निर्णायक बहस?



राजीव शुक्ला - (संपादक)

लोकतंत्र में सरकारों की सबसे बड़ी परीक्षा यह नहीं कि उन्होंने जनता को चुनाव के समय क्या दिया, बल्कि यह है कि उन्होंने जनता को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए क्या बनाया। भारतीय

राजनीति में जनकल्याणकारी योजनाओं का अपना महत्व है। गरीब परिवार को मुफ्त राशन मिले, जरूरतमंद को इलाज की सुविधा मिले, विद्यार्थियों को सहायता मिले या किसी संकटग्रस्त परिवार को आर्थिक सहयोग—इन योजनाओं को केवल राजनीति के चरम से देखा ना उचित नहीं होगा। सामाजिक सुरक्षा किसी भी लोकतांत्रिक और संवेदनशील शासन व्यवस्था की आवश्यक जिम्मेदारी है। लेकिन सवाल यहीं से शुरू होता है। क्या राजनीति का अंतिम लक्ष्य मुफ्त सुविधाओं पर निर्भर समाज बनाना होना चाहिए, या ऐसा समाज तैयार करना जहां अधिक से अधिक लोग अपनी आय, रोजगार और उद्यम के बल पर सम्मानजनक जीवन जी सकें? आज देश की राजनीतिक बहस में यह सवाल पहले से कहीं अधिक गंभीरता से पूछे जाने की जरूरत है। चुनाव आते हैं तो घोषणापत्रों में नई योजनाएं, नई राहें और नए वादे दिखाई देते हैं। राजनीतिक दल जनता की तत्काल जरूरतों को समझते हैं और उसी के अनुसार घोषणाएं करते हैं। यह लोकतांत्रिक राजनीति का स्वाभाविक हिस्सा है। लेकिन अगर हर चुनाव में बहस का केंद्र यह हो जाए कि किसे क्या मुफ्त मिलेगा, तो रोजगार, उत्पादकता, कौशल, उद्योग और स्थायी आय जैसे बुनियादी सवाल पीछे छूट सकते हैं। राहत जरूरी है, लेकिन राहत स्थायी समाधान नहीं गरीब व्यक्ति के लिए आज की जरूरत सबसे बड़ी होती है। उसके घर में चूल्हा जलना चाहिए, बच्चे की पढ़ाई होनी चाहिए और बीमारी आने पर इलाज मिलना चाहिए। इसलिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का विरोध करना न तो व्यावहारिक है और न ही मानवीय। लेकिन राहत और आत्मनिर्भरता के बीच अंतर समझना होगा। यदि किसी परिवार को लंबे समय तक सहायता की आवश्यकता पड़ रही है, तो नीति निर्माताओं को यह भी पूछना चाहिए कि वह परिवार स्थायी आय के साधन से क्यों नहीं जुड़ पा रहा है। एक तरफ सहायता देकर जीवन चलाना और दूसरी

तरफ रोजगार, कौशल या कारोबार का अवसर देकर आय पैदा करने की क्षमता विकसित करना—दोनों की भूमिका अलग है। कल्याणकारी राज्य का उद्देश्य केवल जरूरतमंद को सहारा देना नहीं, बल्कि परिस्थितियां ऐसी बनाना भी होना चाहिए कि जरूरतमंद व्यक्ति धीरे-धीरे अपने पैरों पर खड़ा हो सके। यही वह जगह है जहां राजनीतिक बहस कमजोर पड़ती दिखाई देती है। रोजगार का सवाल आखिर चुनावी मुद्दा क्यों नहीं बनता? देश का युवा पढ़ता है, डिग्री हासिल करता है, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है और वर्षों तक रोजगार की तलाश करता है। दूसरी ओर बड़ी संख्या में युवा निजी क्षेत्र में कम वेतन, अस्थिर रोजगार और सीमित सामाजिक सुरक्षा के बीच काम करने को मजबूर हैं। यह स्थिति केवल युवाओं की समस्या नहीं है। रोजगार का प्रश्न परिवार की आर्थिक स्थिति, विवाह, शिक्षा, आवास, उपभोग और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा हुआ है।

फिर भी चुनावी भाषणों में रोजगार पर चर्चा अक्सर आंकड़ों, दावों और आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित हो जाती है। शिक्षा व्यवस्था का विस्तार हुआ है। गांव-कस्बों तक कॉलेज और तकनीकी संस्थान पहुंचे हैं। लेकिन शिक्षा और रोजगार के बीच दूरी अभी भी बड़ी चुनौती है। कई युवाओं के पास डिग्री है, लेकिन बाजार की जरूरत के अनुरूप कौशल नहीं। दूसरी ओर उद्योगों को प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता है। इस अंतर को समाप्त करना केवल युवाओं की जिम्मेदारी नहीं हो सकती। स्कूल और कॉलेज से लेकर औद्योगिक प्रशिक्षण, अप्रेंटिसशिप और स्थानीय रोजगार तक एक ऐसी श्रृंखला बनानी होगी जिसमें शिक्षा का अंतिम पड़ाव बेरोजगारी न हो। हमें यह तय करना होगा कि शिक्षा केवल प्रमाणपत्र बांटने की प्रक्रिया न बने, बल्कि रोजगार और उद्यम की तैयारी का माध्यम बने।

आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल बड़े उद्योग नहीं
आत्मनिर्भरता शब्द सुनते ही अक्सर बड़े कारखानों, बड़ी कंपनियों और बड़े निवेश की तस्वीर सामने आती है। लेकिन भारत की आर्थिक शक्ति का एक बड़ा हिस्सा छोटे कारोबारियों, कारीगरों, दुकानदारों, किसानों, स्वरोजगार करने वालों और सूक्ष्म उद्यमों से आता है। एक दर्जी अपने दम पर दुकान चला रहा है। एक महिला घर से खाद्य उत्पाद बनाकर बेच रही है। एक युवा मोबाइल रिपैरिंग की दुकान खोल रहा है। एक किसान खेती के साथ प्रसंस्करण या पशुपालन से

आय बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। एक छोटा व्यापारी कुछ लोगों को रोजगार दे रहा है। ये सभी आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। इसलिए आत्मनिर्भरता की बहस को केवल बड़े निवेश और बड़ी परियोजनाओं तक सीमित नहीं किया जा सकता। छोटे उद्यमों की सबसे बड़ी समस्या क्या है? छोटा कारोबार शुरू करना आसान नहीं है। पूंजी की कमी, बाजार तक पहुंच, तकनीक, प्रशिक्षण, कच्चा माल, बिजली, किराया, नियम-कायदे और प्रतिस्पर्धा—हर स्तर पर चुनौतियां हैं। सरकारें योजनाएं बनाती हैं, ऋण योजनाओं की घोषणा होती है और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की बातें होती हैं। लेकिन वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी जब एक सामान्य युवा बिना अनावश्यक दस्तकों के चक्कर लगाए कारोबार शुरू कर सके, उसे बाजार मिले और उसका व्यवसाय टिकाऊ बने। कामज पर ऋण उपलब्ध होना और वास्तव में किसी जरूरतमंद उद्यमी तक पूंजी पहुंचना—दो अलग बातें हैं। यहीं पर व्यवस्था की जवाबदेही यह होती है। मुफ्त बिजली या स्थायी आय? राजनीतिक दलों के सामने कठिन सवाल यही है कि तत्काल राहत और दीर्घकालिक आर्थिक मजबूती के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।

किसी गरीब परिवार को राहत देना आसान राजनीतिक संदेश है। लेकिन उसी परिवार के एक सदस्य को प्रशिक्षित करके रोजगार दिलाना, उसे बाजार से जोड़ना और उसकी आय बढ़ाना कठिन काम है। मुफ्त सुविधा तुरंत दिखाई देती है। रोजगार पैदा करने वाली नीति का परिणाम आने में समय लगता है। राजनीति अक्सर तत्काल परिणाम चाहती है, जबकि अर्थव्यवस्था धैर्य मांगती है। यही टकराव भारत की नीति बहस की बड़ी चुनौती है। क्या हर मुफ्त योजना गलत है? नहीं। इस बहस को दो अंतियों में बांटना भी गलत होगा। गरीबों के लिए खाद्य सुरक्षा, गंभीर बीमारी में सहायता, शिक्षा तक पहुंच और सामाजिक सुरक्षा जैसी योजनाएं किसी सभ्य समाज की जिम्मेदारी हो सकती हैं। समस्या तब पैदा होती है जब कल्याणकारी योजनाएं आर्थिक अवसर पैदा करने की नीति का विकल्प बन जाएं। मुफ्त सुविधा जरूरतमंद के लिए सुरक्षा कवच हो सकती है, लेकिन पूरी अर्थव्यवस्था का इंजन नहीं। अर्थव्यवस्था का इंजन रोजगार, निवेश, उत्पादन, उद्यमिता, कौशल और मांग से चलता है।

राजनीति को पांच साल का रोजगार एजेंडा देना होगा
अब समय आ गया है कि चुनावी घोषणापत्रों में रोजगार

के लिए स्पष्ट और मापने योग्य लक्ष्य तय किए जाएं। केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि युवाओं को रोजगार दिया जाएगा। निजी निवेश को रोजगार से कैसे जोड़ा जाएगा? यदि राजनीतिक दल इन सवालों पर स्पष्ट रोजमर्रा दें, तो चुनावी बहस का स्तर निश्चित रूप से ऊपर उठेगा। सरकारी नौकरी ही रोजगार का पर्याय क्यों? भारत में सरकारी नौकरी का आकर्षण समझ में आता है। स्थिरता, सामाजिक प्रतिष्ठा और सुरक्षा इसकी बड़ी वजह है। लेकिन देश की विशाल युवा आबादी को केवल सरकारी नौकरियों के भरोसे रोजगार नहीं दिया जा सकता। सरकार को सरकारी भर्ती के साथ-साथ ऐसा आर्थिक वातावरण तैयार करना होगा जिसमें निजी क्षेत्र बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण रोजगार पैदा करे।

इसके लिए उद्योग, सेवा क्षेत्र, निर्माण, पर्यटन, कृषि-प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स, डिजिटल अर्थव्यवस्था और छोटे कारोबारों को मजबूत करना होगा। सरकार हर व्यक्ति को नौकरी नहीं दे सकती, लेकिन ऐसी अर्थव्यवस्था जरूर बना सकती है जिसमें रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा हों। गांवों की अर्थव्यवस्था को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता रोजगार का भविष्य केवल महानगरों में नहीं है। यदि गांवों में स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण इकाइयां, भंडारण, डेयरी, हस्तशिल्प, खाद्य उद्योग, पर्यटन और डिजिटल सेवाएं विकसित हों तो बड़े पैमाने पर पलायन कम किया जा सकता है। गांव का युवा अपने गांव या जिले में सम्मानजनक आय कमा सके—यह आत्मनिर्भर भारत की वास्तविक परीक्षा होगी। इसके लिए सड़क और बिजली के साथ-साथ बाजार, इंटरनेट, प्रशिक्षण, वित्त और उद्यमिता का पूरा ढांचा चाहिए। महिलाओं की आर्थिक भागीदारी भी निर्णायक है किसी भी अर्थव्यवस्था की ताकत का आकलन केवल पुरुष रोजगार से नहीं किया जा सकता। महिलाओं को सुरक्षित कार्यस्थल, कौशल, वित्तीय पहुंच, डिजिटल सुविधा, बाजार और काम के अवसर मिलें तो परिवार की आय बढ़ती है और बच्चों की शिक्षा तथा जीवन स्तर पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए रोजगार नीति में महिलाओं को अलग से केंद्र में रखना होगा। महिला को केवल लाभार्थी मानने के बजाय उत्पादक आर्थिक भागीदार के रूप में देखना होगा। युवाओं को लाभार्थी नहीं, भागीदार बनाना होगा राजनीति की भाषा में युवा अक्सर भविष्य का मतदाता होता है। लेकिन आर्थिक नीति में युवा भाषा का निर्माता होना चाहिए। उसे केवल योजना का लाभार्थी बनाकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं।

किशोरियों के पोषण, स्वास्थ्य और कौशल विकास को मिल रहा बढ़ावा

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किशोरी बालिकाओं के समग्र विकास, बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में विभिन्न महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश के आकांक्षामक जनपदों में 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं को पोषण एवं गैर-पोषण संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पहल का उद्देश्य किशोरियों में पोषण की स्थिति में सुधार के साथ उनके स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा एवं कौशल विकास को बढ़ावा देना है।

इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के 8 आकांक्षामक जनपदों की 14 से 18 वर्ष की किशोरी बालिकाओं को विभिन्न सेवाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसके तहत पोषण घटक के माध्यम से किशोरियों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण अनुपूरक पुष्टाहार उपलब्ध कराया जाता है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आच्छादित परियोजनाओं में आटा बेसन बर्फी, प्रीमिक्स तथा दलिया एवं मूंग दाल खिचड़ी उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं अन्य परियोजनाओं में नैफेड के माध्यम से फोर्टिफाइड गहूँ दलिया, चना दाल, फोर्टिफाइड खाद्य

तेल तथा फोर्टिफाइड चावल का वितरण किया जा रहा है।

किशोरावस्था शारीरिक एवं मानसिक विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण अवस्था होती है। इस दौरान पोषण की कमी का सीधा प्रभाव किशोरियों के स्वास्थ्य एवं भविष्य पर पड़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने इस योजना के गैर-पोषण घटक में आयरन एवं फोलिक एसिड (IFA) की व्यवस्था की है। इसके साथ ही किशोरियों की नियमित स्वास्थ्य जांच, आवश्यकता के अनुसार संदर्भन सेवा तथा पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता प्रदान की जाती है।

योजना में किशोरियों के लिए मासिक धर्म स्वच्छता (Menstrual Hygiene) की भी विशेष महत्व दिया

गया है। उन्हें मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है, ताकि वे इस प्राकृतिक प्रक्रिया को लेकर किसी प्रकार की झिझक या भ्रांति के बजाय वैज्ञानिक एवं स्वास्थ्यपरक दृष्टिकोण अपना सकें। किशोरी बालिकाओं को केवल पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए सक्षम एवं आत्मनिर्भर बनाने पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से योजना में कौशल प्रशिक्षण का प्रावधान किया गया है, जिससे किशोरियों में रोजगारपरक कौशल विकसित हो सकें और वे आगे चलकर आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

इसी दिशा में भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में NAVYA Project के अंतर्गत प्रदेश के दो आकांक्षामक जनपदों फतेहपुर एवं सोनभद्र में 16 से 18 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए जाने हेतु पायलट प्रोजेक्ट प्रारम्भ किया गया है। यह पहल किशोरियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक एवं रोजगारपरक कौशल से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में समग्र रूप से किशोरी बालिकाओं के लिए संचालित यह पहल पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, जागरूकता और कौशल विकास को एक साथ जोड़ती है। स्वस्थ एवं शिक्षित किशोरियां ही भविष्य में स्वस्थ परिवार और सशक्त समाज की आधारशिला बन सकती हैं। ऐसे में किशोरियों के पोषण एवं स्वास्थ्य में निवेश के साथ उन्हें कौशलयुक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयास अत्यंत सकारात्मक एवं सतत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

लाल कमल, सूचना अधिकारी

मेरठ में माटीकला रोजगार मेला: पारंपरिक शिल्प और कारीगरों के सशक्तिकरण का नया अध्याय

मेरठ। प्रदेश सरकार की लोक-कल्याणकारी नीतियों और पारंपरिक शिल्पों के पुनरोद्धार के संकल्प के क्रम में जनपद मेरठ में एक से सात नवंबर, 2026 तक भव्य 'माटीकला रोजगार मेले' का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन के तत्वावधान में आयोजित होने वाला यह विशेष मेला स्थानीय कुम्हारों, शिल्पकारों और माटीकला उद्यमियों को अपने उत्पादों के व्यापक प्रदर्शन और प्रत्यक्ष विपणन के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करेगा। यह आयोजन ग्रामीण एवं कुटीर उद्योगों को ऊर्ज क्रांति देने तथा 'वोकल फॉर लोकल' एवं 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना को धरातल पर साकार करने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। मेरठ की ऐतिहासिक और वाणिज्यिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए इस मेले को क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था के एक प्रेरक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रदर्शनी में भाग लेने वाले सभी माटीकला कारीगरों और सूक्ष्म उद्यमियों को जिला प्रशासन की ओर से नि:शुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए जाएंगे। इस नीतिगत निर्णय का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कारीगरों पर किसी भी प्रकार का आर्थिक भार न पड़े और वे बिना किसी मध्यस्थ या अतिरिक्त व्यय के अपने उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचा सकें। मेले में पारंपरिक उपयोग के बर्तनों, दीयों, कुल्हड़ों से लेकर आधुनिक टेराकोटा कलाकृतियों, डिजाइनर क्रॉकरी, मूर्तियों, पर्यावरण-अनुकूल टाइल्स और घरेलू सजावटी उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी। विचौलियों की व्यवस्था समाप्त होने से कारीगरों को उनके कार्यों का

का शत-प्रतिशत पारिश्रमिक प्राप्त होगा। इस आयोजन को केवल जनपद मेरठ की भौगोलिक सीमाओं तक सीमित न रखकर अंतर-जनपदीय और अंतर-राज्यीय स्तर पर विस्तारित किया जा रहा है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों के प्रतिष्ठित शिल्पकारों और माटीकला संघों को भी इस मेले में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया है।

विभिन्न क्षेत्रों के हुरमंदों के एक ही मंच पर एकत्र होने से शिल्प शैलियों, तकनीकी अनुभवों और विपणन रणनीतियों का स्वस्थ आदान-प्रदान संभव होगा। इससे मेरठ पूरे क्षेत्र के पारंपरिक माटी शिल्प के एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र के रूप में उभरेगा। प्रदेश सरकार द्वारा पारंपरिक शिल्प के वैज्ञानिक संरक्षण, तकनीकी संवर्धन और कारीगरों के सर्वांगीण उत्थान के उद्देश्य से विशेष संस्थागत नीतियां लागू की गई हैं। राज्य भर में इस क्षेत्र से जुड़े पारंपरिक परिवारों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए तकनीकी, वित्तीय, प्रशिक्षण और विपणन सहायता की चौतरफा व्यवस्था की गई है। उत्पादन क्षमता में वृद्धि और शारीरिक श्रम को कम करने के लिए पारंपरिक हस्तचालित चार्को के स्थान पर अत्याधुनिक मोटर एवं विद्युत चालित चार्को का नि:शुल्क वितरण अभियान स्तर पर किया गया है। इसके अतिरिक्त कारीगर समूहों को मिट्टी तैयार करने हेतु आधुनिक पगमिल, ब्लेंडर मशीनें तथा उन्नत गैस एवं विद्युत आधारित भट्टियां प्रदान की जा रही हैं। इस तकनीकी आधुनिकीकरण के फलस्वरूप कारीगरों के बहुमूल्य समय और श्रम की बचत हो रही है, वहीं उत्पादों की फिनिशिंग, मजबूती और सौंदर्य

में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है। आधुनिक भट्टियों के प्रयोग से पकाई के दौरान उत्पादों के चटकने या टूटने की दर में भारी कमी आई है, जिससे प्रति इकाई उत्पादन लागत नियंत्रित हुई है। शिल्पकारों के समक्ष कच्चे माल की उपलब्धता सदैव एक बड़ी चुनौती रही है। इस समस्या के स्थायी समाधान हेतु जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के आपसी समन्वय से ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों के तालाबों तथा उपयुक्त स्थलों से चिकनी मिट्टी निकालने के लिए नि:शुल्क खनन पट्टे और अधिकार आवंटित किए गए हैं। इस पारदर्शी व्यवस्था से कारीगरों को बिचौलियों के शोषण और अनुचित लागत से मुक्ति मिली है तथा स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण मिट्टी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। कच्चा माल सरलता से सुलभ होने से उत्पादन चक्र निर्यात बना रहा है। पारंपरिक कला को समकालीन बाजार की बदलती रुचियों के अनुरूप ढालने के लिए नियमित कौशल विकास एवं नवाचार कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। प्रतिष्ठित राष्ट्रीय डिजाइन संस्थानों और तकनीकी विशेषज्ञों के सहयोग से कारीगरों को पारंपरिक स्वरूप से इतर नए रूपांकनों, विविध रंगों के संयोजन और उपभोक्ता-अनुकूल डिजाइन तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कारीगरों को स्वतंत्र सूक्ष्म उद्यमी के रूप में स्थापित करने के लिए केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार की प्रमुख रोजगार सृजन योजनाओं के माध्यम से सुगम वित्तीय सहायता और पूंजीगत अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। कार्यशील पूंजी और उपकरण क्रय हेतु बैंकों के माध्यम से रियायती दरों पर ऋण उपलब्ध

कराकर ग्रामीण युवाओं को इस पारंपरिक उद्योग से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विपणन तंत्र को आधुनिक रूप देते हुए स्थानीय शिल्प को डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्मस और प्रमुख ई-मार्केटप्लेस से जोड़ने की ठोस कार्ययोजना भी लागू की गई है। इसके माध्यम से मेरठ और आसपास के क्षेत्रों में तैयार माटी उत्पाद देश के महानगरों सहित अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक अपनी पहुंच बना रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के वैश्विक परिदृश्य में सिंगल-यूज प्लास्टिक और थर्मोकॉक के सुशुद्ध विकल्प के रूप में मिट्टी के उत्पादों का महत्व अत्यंत बढ़ गया है। रेलवे स्टेशनों, बाबों, होटलों और सार्वजनिक समारोहों में मिट्टी के कुल्हड़, कटोरी, थाली और गिलासों के उपयोग को नीतिगत स्तर पर प्रार्थमिकता दी जा रही है। प्लास्टिक के विकल्पों की मांग बढ़ने से माटीकला कारीगरों को वर्ष भर नियमित रोजगार और आय की निरंतरता प्राप्त हो रही है। 'एक जनपद एक उत्पाद' योजना के अंतर्गत पारंपरिक शिल्पों को वैश्विक पहचान मिलने से इस विधा के प्रति युवा पीढ़ी का विश्वास और आकर्षण भी तेजी से बढ़ा है। मेरठ का यह सात दिवसीय माटीकला रोजगार मेला कारीगरों के आर्थिक स्वतंत्रीकरण, स्थानीय व्यापार के संवर्धन और हस्तकला की समृद्धि में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर सिद्ध होगा। प्रशासन द्वारा किए जा रहे यह समन्वित प्रयास प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर और सुदृढ़ बनाने की दिशा में अत्यंत प्रभावी परिणाम दे रहे हैं।

सूचनाधिकारी जनपद मेरठ/
डॉ० सीमा गुप्ता (सोनिओ सहायनियो)

सक्षिप्त खबरें

दिवंगत यशी के परिवारजनों से मिले सविता समाज एकता मंच के पदाधिकारी



कानपुर। सविता सेन-नंदवंशी समाज एकता मंच द्वारा महाराजपुर पुरवामी गांव पहुंचकर श्रावंधन के दिन जमीन धंसने की वजह से हुए हृदय विदारक हादसे में दिवंगत 18 वर्षीय यशी के परिजनों से भेंट कर उनका ढाँढस बंधाया। भवन निर्माण के लिए पीड़ित परिवार को आर्थिक सहयोग किया एवं विदूर विधायक अभिजीत सिंह सांगा से बात करके शासन से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। समाजसेवियों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें। इसमें प्रमुख रूप से संगठन के समाजसेवी शिवपूजन सविता,डॉ उमेश शर्मा,पवन शर्मा,बसंत सविता,जितेंद्र सविता,वीरेंद्र सविता,अंकुर सविता,कृष्णकांत सविता,शिवम इत्यादि लोग मौजूद रहे।

हाईवे किनारे खड़े 194 वाहनों पर बड़ी कार्यवाही

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया। पहले तो हाई-वे किनारे खड़े इन वाहनों को चेतावनी दी गई और फिर इनके खिलाफ एमवी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों काही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, दृश्यगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया । इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 194 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (MV Act) के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई।

ट्राला से टकरा कर रोडवेज बस पलटी, छह सवारियां घायल; आगरा से फिरोजाबाद आ रही थी गाड़ी

फिरोजाबाद। नेशनल हाईवे पर बुधवार दोपहर ढाई बजे हजरतपुर के पास ट्राला से टकराने के बाद आगरा फोर्ट डिपो की रोडवेज बस पलट गई। हादसे में आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए सरकारी ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। आगरा फोर्ट डिपो की अनुबधित बस बुधवार को यात्री लेकर आगरा से फिरोजाबाद जा रही थी। दोपहर ढाई बजे हजरतपुर के पास नेशनल हाईवे पर मुड़ रहे ट्राला ने बस में टक्कर मार दी। इससे रोडवेज बस हाईवे पर पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों की चीख पुकार सुनकर राहगीर व आसपास के लोग मदद के लिए दौड़ पड़े। टूंडला पुलिस को सूचना देने के साथ ही बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला शुरू किया। इस बीच थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घायलों को सरकारी ट्रामा सेंटर भेजा जा। इम्मेक्टर वैजनाथ ने बताया कि घायलों को सरकारी ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

बेदाग सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए सहायक सचिव सुरेंद्र नाथ मिश्रा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। माध्यमिक शिक्षा परिषद क्षेत्रीय कार्यालय में सोमवार को भावुक माहौल के बीच सहायक सचिव सुरेंद्र नाथ मिश्रा को विदाई दी गई। वह 35 वर्षों की बेदाग और निष्कलंक सेवा पूरी कर सेवानिवृत्त हो गए हैं। वर्ष 1991 में शासकीय सेवा में आए सुरेंद्र नाथ मिश्रा क्षेत्रीय कार्यालय बरेली से पूर्व राजकीय इंटर कॉलेज शाहजहांपुर में प्रधानाचार्य के पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अपने पूरे सेवाकाल में उन्होंने अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा की अमूर्त निष्पाल पेश की। सेवानिवृत्ति के अवसर पर कार्यालय सभागार में विशेष विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज के



सड़क न बनने पर तो ग्रामीणों ने हाईवे पर लगाया जाम, डेढ़ घंटे तक बंद रहा लखनऊ-दिल्ली हाईवे का यातायात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर (शाहजहांपुर)– जर्जर सड़क, जगह-जगह जानलेवा गड्ढे और उममें भरे पानी का लंबे समय से दंश झेल रहे ग्रामीणों ने लखनऊ-दिल्ली हाईवे जाम कर दिया। देखते ही देखते हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब डेढ़ घंटे तक यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा। सुनीरा अजमतपुर गांव में स्कूल से अमरेश सिंह के मकान होते हुए सुखपाल सिंह के मकान तक जाने वाली सड़क लंबे समय से बंदहाल है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे होने के साथ ही बारिश का पानी भरने से स्थिति और भी बदतर हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें रोजाना इसी रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है, लेकिन जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण समस्या जस की तस बनी हुई है। सड़क निर्माण के लिए ग्राम प्रधान और संबंधित अधिकारियों को कई बार शिकायती पत्र दिए गए, लेकिन कार्रवाई न होने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता चला गया। बुधवार सुबह करीब 11 बजे सुनीता सिंह, राजेश्वरी सिंह, राजवती, उर्मिला, प्रेमवती, शकुंतला, देवकी, अन्नपूर्णा सिंह, रूबी देवी, शिवम सिंह समेत



बड़ी संख्या में महिलाएं और युवक लखनऊ-दिल्ली हाईवे स्थित शिव शक्ति ढाबे के पास पहुंच गए। ग्रामीणों ने देखते ही देखते हाईवे की दोनों लेन पर कच्चा जमाकर धरना शुरू कर दिया। हाईवे पर वाहनों की रफतार थम गई और दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। हाईवे जाम की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक प्रभाष चंद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाकर जाम खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अड़े रहे। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि जब तक जिम्मेदार अधिकारी मौके पर आकर सड़क निर्माण शुरू कराने का

आश्वासन नहीं देते, तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। महिलाओं ने ग्राम प्रधान पर मनमानी और तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने ददरील ब्लॉक के बीडीओ को मौके पर बुलाने की मांग की। मामला बढ़ता देख अमित सिंह ने बताया कि सड़क निर्माण की मांग को लेकर महिलाएं और युवक हाईवे जाम कर प्रदर्शन कर रहे थे। उन्हें बृहस्पतिवार से सड़क निर्माण शुरू कराने का आश्वासन देकर धरना समाप्त कराया गया है। इस दौरान शिवकुमार सिंह, राज, जितेंद्र सिंह, रवि कुमार सिंह समेत बड़ी संख्या में महिलाएं और ग्रामीण मौजूद रहे।



दुष्कर्म के मामले में दरोगा पर समझौते का दबाव बनाने का आरोप

तिलहर-शाहजहांपुर। दुष्कर्म पीड़िता की मां ने सीओ को शिकायती पत्र देकर थाने के एक दरोगा पर आरोपी पक्ष से समझौता करने के दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। बुधवार को महिला ने सीओ विदुष सक्सेना को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि 30 अगस्त को उसके पति की तबीयत खराब हो गई थी। वह पति को उपचार के लिए बरेली लेकर गई थी। घर पर उसकी किशोरी बेटी और दो छोटे बच्चे थे। महिला का आरोप है कि इसी दौरान रात में गांव का एक युवक उसके घर पहुंचा और किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद महिला ने थाना जैतीपुर पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। महिला का आरोप है कि पुलिस ने उसे पूरे दिन थाने में बैठाए रखा और उसकी इच्छा के विपरीत अपने हिसाब से तहरीर लिखवाकर उस पर अंगूठ लगावा लिया। मामले को लेकर महिला ने मंगलवार को सीओ से भी शिकायत की थी। महिला का आरोप है कि शिकायत की जांच के बाद थाने के एक दरोगा ने उस पर और उसके स्वजन पर आरोपी पक्ष से समझौता करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। महिला ने इसे दरोगा द्वारा पद के कथित दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

क्लीन कानपुर, ग्रीन कानपुर स्लोगन से अधिक ज़रूरी है कि सड़कों से कूड़ा उठाए नगर निगम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। यशोदा नगर (सिमरा गांव)बाईपास रोड के किनारे फुटपाथ पर फैला बदबूदार कूड़ा राहगीरों के लिए बना मुसीबत बना हुआ है, लोगों ने बताया कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा है। आप को बता दें कानपुर यशोदा नगर बाईपास से जब राहगीर रामादेवी के लिए चलते हैं तो बीच में शंकराचार्य नगर एवं सिमरा गांव बाईपास रोड के किनारे पड़ता है, यहां बाईपास के किनारे फुटपाथ में फैला बदबूदार कूड़ा राहगीरों के लिए मुसीबत बन चुका है,साथ ही कानपुर स्मार्ट सिटी, ग्रीन कानपुर, क्लीन कानपुर की पोल खोल रहा है। इधर से गुजरने वाले राहगीरों का सांस लेना तक मुश्किल हो गया है, कूड़े में मरे जानवर तक पड़े रहते हैं, मरे जानवरों से निकलने वाले कीटाणु हवा में फ़ैल कर, किसी इंसान की बीमारी का कारण बन सकते हैं,लेकिन नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी इतने लापरवाह हो चुके हैं कि इस कूड़े को नहीं उठया जा रहा है। वहीं आप को बता दें कि



विशेष सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि जिन कूड़ा गाड़ियों को निस्तारण केंद्र पर जाकर गाड़ी खाली करनी होती है वह डीजल बचाने,एवं अपने आलसी रवैये के चलते चोरी छिपे यही पर कूड़ा फेंक देते हैं और ज्यादा इकठ्ठा होने पर जला भी देते हैं। वहीं यहां पर यह भी देखा गया है कि कुछ अन्य लोगों के द्वारा भी अपने घरों का कूड़ा यही पर फेंक दिया जाता है। कानपुर नगर निगम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के नाम पर लिखाई-पुताई और जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, लाखों ,करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं लेकिन सफाई

कही पर भी नहीं की जा रही है,इस जगह पर जहां इतनी गंदगी है, यहां पर भी लिखाई पुताई की गई है। स्थानीय लोगों ने नगर निगम कानपुर के समस्त जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अनुरोध किया है कि शहर को स्वच्छ बनाना है तो सिर्फ दीवारें रंगने और स्लोगन लिखने से काम नहीं चलेगा बल्कि ,ए रूम छोड़कर बाहर निकलिये कुछ काम करिए और अपनी जिम्मेदारी तय करिए,एवं जो लोग रोड पर कूड़ा डाले उनके ऊपर भी सख्ती करिए,आस पास कैमरे लगावये, लेकिन शहर को साफ करिए।

विभिन्न मांगों को लेकर पालिकाध्यक्ष ने डीआरएम रेलवे को दिया ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)– कोंच-एट शटल ट्रेन को पुनः कोंच से उई के रास्ते सरसोकी स्टेशन तक चलाने सहित रेल विभाग से जुड़ी अन्य प्रमुख मांगों को लेकर पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने झांसी पंचायत मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध सिंह को ज्ञापन दिया। गत रोज मंगलवार को नगर पालिका कोंच के कुछ सभासदों, भाजपा नेताओं, समाजसेवियों और वरिष्ठ गणमान्य नागरिकों के हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन को मंडल रेल प्रबंधक को देकर पालिकाध्यक्ष ने जनहित में मांग की है कि शटल ट्रेन के कम से कम दो फेरे सुबह एवं रात के समय कोंच से उई के रास्ते सरसोकी तक चलाए जाएं ताकि एट में रुकने वाली ट्रेनों का यथावत मिलान हो सके और यात्रियों को कानपुर एवं झाँसी जाने के लिए बेहतर कनेक्टिविटी मिल सके। इसके साथ ही कोंच में मियागंज/रामगंज के करीब 50



फीट चौड़े सार्वजनिक मार्ग को रेलवे की प्रस्तावित बाउंड्रीवॉल के सहारे बंद न किए जाने की भी मांग पालिकाध्यक्ष ने की। उन्होंने मंडल रेल प्रबंधक को बताया कि यह रास्ता करीब 60 वर्षों से आमजन के आवागमन में उपयोग हो रहा है, रास्ता बंद होने से मोहल्लेवासियों और व्यापारियों को आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ेगी क्योंकि कोई वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध नहीं है। वहीं मंडल रेल प्रबंधक ने उक्त मांगों को लेकर यथोचित कार्यवाही अमल कनेक्टिविटी मिल सके। इसके साथ ही कोंच में मियागंज/रामगंज के करीब 50

छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत की राधा कृष्ण की झांकियां



बरेली/रिठौर। नगर के पीएन दीवान पब्लिक स्कूल में बुधवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में छात्र -छात्राओं ने राधा -कृष्ण की भेष-भूषा में विभिन्न मनोहारी झांकी, एवं नृत्य पेश कर सभी को धार्मिक आस्था से सराबोर कर दिया। प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार गुप्ता ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के महत्व को विस्तार से समझाया।इस दौरान वरिष्ठ शिक्षक राजेंद्र कुमार सक्सेना, खूबकरन लाल, दीपिका बनर्जी,सुलभ अग्रवाल, अनिल राय,ममता शंखधार, सोनम कश्यप, शीतल साहू, संजना सक्सेना, शिवानी कश्यप, राधा कश्यप, विमला शर्मा, सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

.धार्मिक अनुष्ठान के बीच बल्दाऊ जी का हुआ प्राकट्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)– भगवान कृष्ण के बड़े भाई बलराम का अवतरण यहां वैदिक मंत्रों के बीच बल्दाऊ मंदिर में हुआ। नगर के विद्वान ब्राह्मणों ने भगवान बल्दाऊ के प्राकट्य से पूर्व धार्मिक अनुष्ठान संपन्न करए तत्पश्चात् मंदिर के पुजारी हनुमंत गोस्वामी द्वारा बल्दाऊ जी महाराज का अवतरण कराया गया, महिलाओं ने बधाइयां गाईं। बलराम जी के प्राकट्य का दर्शन करने के लिए भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी थी। इधर, सनातनी घरों में भगवान बल्दाऊ जी का प्राकट्योत्सव हल फण्टे अर्थात 'हरछट' के रूप में मनाया गया, महिलाओं ने सन्तान की दीर्घायु के लिये व्रत रखा। धर्मार्थ कार्यों के निमित्त बनी गल्ला व्यापारियों की संस्था धर्मादा रक्षिणी सभा द्वारा संचालित बल्दाऊ धर्मशाला एवं बल्दाऊ मंदिर में गुरुवार को भगवान बलराम का प्राकट्योत्सव धूमधाम से मनाया गया। धर्मादा अध्यक्ष विजय गुप्ता भोले और मंत्री विनोद दुवे लौना की



देखेखे में आवश्यक धार्मिक अनुष्ठान संपादित किए गए। नगर के विद्वान ब्राह्मणों रमेशचंद्र पटेरिया, राघवराम शास्त्री, विजय कुमार मिश्रा, प्रमोद महाराज आदि द्वारा समस्त अनुष्ठान एवं हवनार्चि कार्यक्रम संपन्न करए गए। मंदिर के मुख्य मंडप में भगवती रेवती के साथ विराजमान भगवान बलभद्र की विहंगम झांकी का दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे थे। बाद में पुजारी द्वारा आरती उतारी गई और प्रसाद वितरित किया गया, महिलाओं ने मंगल गीत गाए। इस दौरान पालिकाध्यक्ष प्रदीप कुमार गुप्ता, पुनित वैद, राघवेंद्र तिवारी, मुकेश कुमार सोनी, कैलाश मिश्रा, प्रमोद महाराज, राजू मिश्रा, हरीश तिवारी, जीतू रायैर, जय मुखिया सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

बारिश से लालगंज में तबाही, पांच मकान गिरे; लेखपालों की गैरमौजूदगी पर ग्रामीणों में आक्रोश

पांच मकान गिरने के बाद ग्रामीणों ने कहा- हर गांव में पहुंचकर लेखपाल करें स्थलीय मुआयना

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, मीरजापुर। तहसील लालगंज क्षेत्र में लगातार हो रही तेज बारिश ने ग्रामीण इलाकों में मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कई गांवों में कच्चे और जर्जर मकानों के गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं, वहीं बारिश से हुए नुकसान का जायजा लेने को लेकर राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। पवारी कला गांव में तेज बारिश के कारण पांच मकानों के गिरने की सूचना सामने आई है। ग्राम प्रधान जितेंद्र कुमार सिंह द्वारा संबंधित लेखपाल को सूचना दिए जाने के बावजूद मौके पर पहुंचकर नुकसान का मुआयना नहीं किए जाने से ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के मौसम में गांवों में गरीब और कमजोर परिवारों के मकान लगातार खतरों में हैं। ऐसे में यदि मकान गिरने की सूचना ग्राम प्रधान



या ग्रामीणों द्वारा राजस्व विभाग को दी जाती है तो संबंधित लेखपाल की जिम्मेदारी बनती है कि वह मौके पर पहुंचकर वास्तविक स्थिति का स्थलीय निरीक्षण करे और नुकसान की रिपोर्ट तैयार करे। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि लेखपाल गांव तक ही नहीं पहुंचेंगे तो पीड़ित परिवारों के नुकसान का सही आकलन कैसे होगा और उन्हें शासन की ओर से मिलने वाली राहत कैसे मिल पाएगी।

पवारी कला में पांच मकान गिरने की घटना के बाद ग्रामीणों ने मांग उठाई है कि सिर्फ पवारी कला ही नहीं, बल्कि पूरे तहसील लालगंज क्षेत्र के सभी गांवों में लेखपालों को भेजकर बारिश से हुए नुकसान का स्थलीय मुआयना कराया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि राजस्व विभाग के लेखपालों का काम केवल कार्यालयों में बैठकर कागजी कार्रवाई करना नहीं, बल्कि आपदा और प्राकृतिक आपदा से प्रभावित

लोगों के बीच पहुंचकर वास्तविक स्थिति का आकलन करना भी है। बारिश के कारण जिन परिवारों के मकान गिरें हैं या क्षतिग्रस्त हुए हैं, उनके नुकसान का मौके पर जाकर सत्यापन किया जाना आवश्यक है। ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन से मांग की है कि सभी लेखपालों को स्पष्ट निर्देश जारी कर गांव-गांव भेजा जाए, ताकि तेज बारिश से हुए नुकसान की वास्तविक तस्वीर सामने आ सके और प्रभावित परिवारों को नियमानुसार राहत एवं आर्थिक सहायता दिलाई जा सके। ग्रामीणों का कहना है कि जब सूचना देने के बाद भी जिम्मेदार मौके पर नहीं पहुंचेंगे तो आपदा के समय पीड़ित ग्रामीण अपनी फरियाद आखिर किसके सामने रखेंगे। अब नुकसान का स्थलीय मुआयना कराया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि राजस्व विभाग के लेखपालों का काम केवल कार्यालयों में बैठकर कागजी कार्रवाई करना नहीं, बल्कि आपदा और प्राकृतिक आपदा से प्रभावित

जमीन पर जबरन जुताई का आरोप, फरियादी राजेंद्र प्रसाद दर-दर भटकने पर मजबूर

बैनामा की है जमीन फिर भी दबंग जमआ रहे हैं अपना हक



स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, मीरजापुर। तहसील लालगंज क्षेत्र के ग्राम मड़वा धनवाल गांव निवासी राजेंद्र प्रसाद पुत्र श्रीधर ने अपनी बैनामा शुदा भूमि पर विपश्चि्यों द्वारा जबरन जुताई किए जाने का आरोप लगाते हुए अधिकारियों से न्याय की गुहार लगाए हैं। राजेंद्र प्रसाद के अनुसार, मौजा मड़वा धनवाल स्थित आराजी संख्या 1551 की भूमि उसके नाम बैनामा से संक्रमणित है और करीब 40 वर्षों से उसके कब्जे एवं जोत में चली आ रही है। पीड़ित का आरोप है कि अंकित पुत्र शारदा प्रसाद एवं मंजू पत्नी शारदा प्रसाद द्वारा कथित रूप से

उसकी भूमि को जबरन जोत लिया गया। विरोध करने पर मामला और गंभीर हो गया। राजेंद्र प्रसाद ने शिकायत में आरोप लगाया कि विपक्षी लाठी-डंडे लेकर उसे दौड़ाते लगे और दोबारा जमीन पर आने पर दफना देने की धमकी दी गई। अपनी भूमि और सुरक्षा को लेकर परेशान राजेंद्र प्रसाद अब दर-दर भटककर अधिकारियों से कार्रवाई

की गुहार लगा रहा है। पीड़ित ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच, मौके का निरीक्षण तथा राजस्व अधिकारियों के आधार पर भूमि की स्थिति स्पष्ट कराने की मांग की है। मामले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि भूमि बैनामा के आधार पर राजेंद्र प्रसाद के नाम है और वह वर्षों से उस पर खेती करता रहा है, तो कथित रूप से जबरन जुताई करने की नौबत कैसे आई? वहीं, धमकी के आरोप सही पाए जाते हैं तो पीड़ित की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी प्रशासन के लिए गंभीर जिम्मेदारी होगी। अब निगाहें प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई पर टिकी हैं कि राजेंद्र प्रसाद की फरियाद पर कब होगी मौके की जांच और कब मिलेगा पड़ी को न्याय?

उमरा के पवित्र सफर पर खाना हुए मो. अली और सकीला बेगम



माधोसिंह। माधोसिंह उत्तर मोहल्ला निवासी मो. अली एवं उनकी पत्नी सकीला बेगम उमरा के पवित्र सफर के लिए खाना हुए। दोनों अपने आवास से निजी साधन द्वारा प्रयागराज (इलाहाबाद) के लिए निकले, जहां से ट्रेन के माध्यम से दिल्ली जाएंगे। इसके बाद दिल्ली से हवाई जहाज द्वारा जेद्दा के लिए खाना होंगे। उमरा यात्रा पर खाना होने के दौरान परिजनों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें मुबारकबाद देते हुए सुरक्षित और सफल यात्रा की दुआ की। इस मौके पर मो. इमरान, मो. उलीउल्ला इमतेयाज अली और सैफ अली समेत परिवार के लोग एवं शुभचिंतक मौजूद रहे। परिजनों ने कहा कि उमरा का सफर हर मुसलमान के लिए बेहद पवित्र और सौभाग्य की बात है। सभी ने मो. अली एवं सकीला बेगम से अपने लिए भी दुआ करने की गुजारिश की। उमरा के लिए खाना होते समय परिवार में खुशी और भावुकता का माहौल रहा। लोगों ने दोनों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी सुरक्षित वापसी की कामना की।

संक्षिप्त खबरें

कच्चे मकान की दीवार गिरने से 80 वर्षीय वृद्धा की दबकर मौत

मीरजापुर। हलिया स्थानीय थाना क्षेत्र के सोटिया कला गांव में हो रही लगातार भारी बारिश के कारण मंगलवार की रात्रि में एक कच्चा मकान की दीवार भर भरकर गिर गई जिससे दीवार के मलबे के नीचे दबने से वृद्धा महिला की मौत हो गई महिला के परिजनों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस सहित राजस्व विभाग को दिया है थाना क्षेत्र के सोफिया गांव निवासी 80 वर्षीय वृद्धा सुभागी देवी पत्नी स्व. गंभीर पाल अपने कच्चे मकान में चारपाई पर लेटी थी की बारिश होने के कारण कच्चे मकान की दीवार भरभरा कर गिरने से वृद्ध महिला की मलबे के नीचे दब गयी उस समय पुत्र रामनरेश भेड़ चराने बाहर गया था। मकान गिरने की आवाज सुन कर घर के अंदर काम कर रही बहु मंजू बाहर आ कर हल्ला मचाने लगी अगर बगल के लोग शायद न देखते तो उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई में जुट गई है परिजनों ने क्षेत्रीय लेखपाल को दिया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया की कच्चे मकान की दीवार बारिश के कारण गिरने से मलबे के नीचे दबने से वृद्धा महिला की मौत हुई है परिजनों के सूचना पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है

पत्रकार को मातृ शोक

चुनार, मीरजापुर। वरिष्ठ पत्रकार शंकर शर्मा की माता जी श्यामा देवी 92 वर्ष का बुधवार को दोपहर लगभग 2 बजे निधन हो गया। माता जी अपने पीछे भरा पुग परिवार छोड़ गयी है। दाह संस्कार आज वृहत्पतिवार को प्रातः 8 बजे कोटहुआघाट चुनार पर संपन्न होगा।

गंगा के रौद्र रूप से थर्राए तटवर्ती इलाके वि.खं. कोन के दर्जनों गांवों में घुरा पानी, ग्रामीणों में दहशत

मीरजापुर। विकास खंड कोन क्षेत्र में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। नदी के बढ़ते जलस्तर को देखकर तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों की घड़कनें तेज हो गई हैं। बाढ़ का खतरा मंडराते ही ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है। दर्जनों गांवों में घुरा बाढ़ का पानीगंगा का जलस्तर इतनी तेजी से ऊपर चढ़ रहा है कि तटवर्ती इलाके इसकी चपेट में आने लगे हैं। क्षेत्र के मझिगांव, लखनपुर, श्री पट्टी, मवैया, हरसिंहपुर, तिलठी और चेतगंज सहित दर्जनों गांवों में बाढ़ का पानी घुसना शुरू हो गया है। सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर जाने से कई गांवों का संपर्क आपस में टूटने की कगार पर है। बाढ़ का पानी रियायशी इलाकों के साथ-साथ खेतों में भी फैल गया है। इससे किसानों की सैकड़ों बीघा खरीफ की फसल जलमग्न हो गई है। गांवों के रास्तों पर पानी लग जाने के कारण लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यदि जलस्तर में बढ़ोतरी का यह सिलसिला इसी तरह जारी रहा, तो लोगों को अपने मवेशियों और जरूरी सामान के साथ सुरक्षित स्थानों या राहत शिविरों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। तटवर्ती गांवों के निवासियों ने जिला प्रशासन से तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रभावित इलाकों में नावों की व्यवस्था की जाए और बाढ़ चौकियों को सक्रिय किया जाए ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटा जा सके।

सरकारी संपत्ति पर कथित कब्जे का खेल जारी! कॉलोनी में टायर रखकर घेरा परिसर सार्वजनिक शौचालय तक पर जमाई पकड़



स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

डुमंडांज, मीरजापुर। डुमंडांज कस्बे स्थित सरकारी कॉलोनी में एक व्यक्ति द्वारा कथित रूप से सरकारी परिसर की जमीन पर अवैध कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सावित्र नामक व्यक्ति ने कॉलोनी परिसर में टायर आदि सामान रखकर जगह को अपने मौके पर पहुंच कर मलबे से बाहर निकाला और चिकित्सक के पास ले जा रहे थे लेकिन दो घंटे में उसकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई में जुट गई है परिजनों ने क्षेत्रीय लेखपाल को दिया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया की कच्चे मकान की दीवार बारिश के कारण गिरने से मलबे के नीचे दबने से वृद्धा महिला की मौत हुई है परिजनों के सूचना पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है



संबंधित व्यक्ति किसी आर्थिक तंगी से मजबूर नहीं है, बल्कि कथित तौर पर दबंगों और मनमानी के बल पर सरकारी परिसर पर कब्जा जमाए हुए हैं। सवाल यह भी उठ रहा है कि सार्वजनिक उपयोग के लिए बनाई गई सरकारी कॉलोनी और शौचालय पर कथित कब्जे की जानकारी होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी आखिर कब तक चुप्पी कब्जे में ले लिया है। इतना ही नहीं, कॉलोनी के अंदर बने सार्वजनिक शौचालय को भी व्यक्तिगत उपयोग में लेने का आरोप लगाया जा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार परिसर में बकरियां बांधकर सरकारी कॉलोनी की सार्वजनिक भूमि का निजी उपयोग किया जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी संपत्ति किसी व्यक्ति विशेष की निजी जागीर नहीं है, फिर आखिर किसकी अनुमति से कॉलोनी परिसर में इस तरह कब्जा किया जा रहा है? आरोप है कि

आउटसोर्स कर्मियों के हितों की सुरक्षा को यूपीसीओएस की शुरुआत

भर्ती से मानदेय तक डिजिटल होगी व्यवस्था, ईपीएफ-ईएसआई समेत सामाजिक सुरक्षा का मिलेगा लाभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। आउटसोर्स कर्मियों की भर्ती, मानदेय और सेवा संबंधी व्यवस्थाओं को पारदर्शी एवं डिजिटल बनाने के उद्देश्य से बुधवार को उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (यूपीसीओएस) का शुभारंभ किया गया। विकास भवन स्थित डीपीआरसी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में निगम के पोर्टल व वेबसाइट की शुरुआत के साथ सड़क पर पानी भर जाने से आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यदि जलस्तर में बढ़ोतरी का यह सिलसिला इसी तरह जारी रहा, तो लोगों को अपने मवेशियों और जरूरी सामान के साथ सुरक्षित स्थानों या राहत शिविरों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। तटवर्ती गांवों के निवासियों ने जिला प्रशासन से तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रभावित इलाकों में नावों की व्यवस्था की जाए और बाढ़ चौकियों को सक्रिय किया जाए ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटा जा सके।



से लेकर तैनाती, उपस्थिति, वेतन, बीमा और अन्य सेवा लाभों का डिजिटल प्रबंधन होगा। कर्मचारी पोर्टल पर अपनी सेवा, उपस्थिति, भुगतान और मानदेय से संबंधित जानकारी देख सकेंगे तथा ऑनलाइन को शिकायत दर्ज कर उसके निस्तारण की स्थिति भी जान सकेंगे। उन्होंने कहा कि मानदेय सीधे कर्मचारियों के बैंक खातों में भेजा जाएगा। ईपीएफ और

ईएसआई का अंशदान नियमित रूप से जमा कराया जाएगा तथा मानदेय से अनावश्यक सेवा शुल्क की कटौती नहीं की जा सकेगी। ममाने ढंग से कर्मचारियों को हटाने पर भी रोक रहेगी। कर्मचारियों को दुर्घटना, चिकित्सा और अन्य आकस्मिक परिस्थितियों में सामाजिक एवं स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी, विधायक दीनानाथ भास्कर, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मिश्रा, जिलाधिकारी शैलेश कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सफाई कर्मियों को सुरक्षा कित वितरित की गई। वहीं कन्या विवाह सहायता योजना के लाभार्थियों को 55-55 हजार रुपये के सांकेतिक चेक प्रदान किए गए।

ललही छठ पर माताओं ने रखा निर्जला व्रत

लालगंज मीरजापुर। आज ललही छठ के पावन अवसर पर क्षेत्र की माताओं ने अपने पुत्रों की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य, सुख-जमा हो जाता है। कबूतरनाथ गांव गोपीगंज चौराहा से ज्ञानपुर रेलवे स्टेशन, रामपुर घाट और गंगा पर जाने वाले लोगों के लिए महत्वपूर्ण रास्ता है। गल्लामंडी और स्कूलों के कारण यहां दिनभर लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में जलजमाव से लोगों की परेशानी और बढ़ जाती है। अधिशासी अधिकारी बीना सिंह ने बताया कि वार्ड नंबर पांच में जलनिकासी की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। कई बार पानी घरों और दुकानों तक पहुंच जाता है। नगर पालिका की ओर से मशीन लगाकर पानी निकालने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन यह व्यवस्था स्थायी समाधान नहीं बन पा रही है। जलनिकासी के लिए बना नाला तेज बारिश में ओवरफ्लो होने से सड़क पर पानी जमा हो जाता है। कबूतरनाथ गांव गोपीगंज चौराहा से ज्ञानपुर रेलवे स्टेशन, रामपुर घाट और गंगा पर जाने वाले लोगों के लिए महत्वपूर्ण रास्ता है। गल्लामंडी और स्कूलों के कारण यहां दिनभर लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में जलजमाव से लोगों की परेशानी और बढ़ जाती है। अधिशासी अधिकारी बीना सिंह ने बताया कि वार्ड नंबर पांच में जलनिकासी की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। कई बार पानी घरों और दुकानों तक पहुंच जाता है। नगर पालिका की ओर से मशीन लगाकर पानी निकालने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन यह व्यवस्था स्थायी समाधान नहीं बन पा रही है।

समय पर पूरा करें छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का लंबित कार्य

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। वित्तीय वर्ष एवं शैक्षिक सत्र 2025-26 में छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत पात्र छात्र-छात्राओं को समय से लाभ दिलाने के लिए शासन स्तर से प्रक्रिया और समय-सारिणी निर्धारित की गई है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग के पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का भुगतान सुनिश्चित करने के लिए संबंधित शिक्षण संस्थानों एवं अधिकारियों को निर्धारित अवधि में लंबित कार्यवाही पूरी करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी भदोही ने बताया कि शिक्षण संस्थानों द्वारा मास्टर डाटा लॉक न किए जाने, छात्रों के नुतिपूर्ण डाटा अपलोड होने, संस्थान स्तर पर आवेदन लंबित रहने,



पीएफएमएस पर आवेदन लंबित अथवा रिजेक्ट होने तथा ट्रांजेक्शन फेल होने जैसे कारणों से पात्र विद्यार्थी योजना के लाभ से वंचित न हों, इसके लिए पूरी प्रक्रिया समयबद्ध तरीके से पूरी की जानी है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शिक्षण संस्थानों द्वारा एक से सात सितंबर तक मास्टर डाटा तैयार किया जाएगा। विश्वविद्यालय अथवा एफिलिएटिंग एजेंसी द्वारा दो से आठ सितंबर तक फीस आदि का सत्यापन किया जाएगा। वहीं जिला कल्याण अधिकारी द्वारा तीन से नौ सितंबर तक शुल्क आदि का सत्यापन किया

जाना है। एनपीसीआई की स्कूटीन के बाद छात्रों के आवेदनों में पाई गई त्रुटियों के संशोधन के लिए संबंधित डाटा 11 से 15 सितंबर तक शिक्षण संस्थानों की लॉगिन पर उपलब्ध कराया जाएगा। संस्थानों को 16 से 18 सितंबर तक नुतिपूर्ण आवेदनों में सुधार करना होगा। इसके बाद शिक्षण संस्थानों द्वारा सत्यापित एवं पात्र डाटा 17 से 19 सितंबर तक अग्रसारित किया जाएगा। अंतिम चरण में 17 से 25 सितंबर तक जनपदीय समिति द्वारा शुद्ध डाटा लॉक किया जाएगा। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने सभी संबंधित शिक्षण संस्थानों एवं अधिकारियों से समय-सारिणी के अनुसार कार्यवाही पूरी करने की अपील की है, जिससे कोई भी पात्र छात्र-छात्रा छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के लाभ से वंचित न रह जाए।

यूपी आउटसोर्स सेवा निगम शुरू : सविदा कर्मियों को कैशलेस चिकित्सा समेत कई सुविधाएं मिलेंगी, मानदेय भी बढ़ेगा

सिद्धार्थनगर : हाईवे पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, 2 की मौत, महिला समेत 2 गंभीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का शुभारम्भ,(UPCOS) के पोर्टल एवं वेबसाइट की लांचिंग उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम (UPCOS) के लोगों का अनावरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लोक भवन लखनऊ से किया गया। जिसका लाइव प्रसारण विधायक श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह के साथ लोहिया कला भवन में देखा गया। इस अवसर पर विधायक श्यामधनी राही ने उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के शुभारम्भ हेतु मुख्यमंत्री का आभार प्रकट करते हुए सभी लोगों को बधाई दिया। मुख्यमंत्री द्वारा आज उत्तर प्रदेश में आउटसोर्स सेवा निगम का



शुभारम्भ किया गया है। मुख्यमंत्री के संकल्पों को पूरा करने का दायित्व आप सभी का भी है। सभी लोग एक साथ मिलकर कार्य करें। जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या ने इस अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए कहा कि आज आप सभी लोगों के लिए खुशी का दिन है। मुख्यमंत्री ने आप सभी के मानदेय में बढ़ोतरी करने

के साथ सुरक्षा कवर भी दिया है। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सभी जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए और मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि आज आउटसोर्स निगम का गठन किया है। निगम बनने से समस्याओं का समाधान होगा। आप लोगों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही अन्य सुविधाएं भी मिलेगी। इस अवसर पर विधायक श्यामधनी राही, जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा नगर पालिका कर्मचारियों को टूल किट एवं श्रम विभाग के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र दिया गया। इस दौरान गोविन्द माधव अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर,सांसद प्रतिनिधि एसपीअग्रवाल, अध्यक्ष नगर पंचायत बिस्कोहर अजय गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता अभिषेक पाल, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) गौरव श्रीवास्तव, पीडी अनिल कुमार, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत, एवं अन्य संबधित अधिकारी/कर्मचारी व अन्य संबधित उपस्थित रहे।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर थाना क्षेत्र के मधुबेनिया चौराहे के पास बढ़या गांव के सामने हाईवे पर बुधवार दोपहर दो मोटर साइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, दोनों बाइकों पर सवार महिला और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर ले जाया गया, जहां महिला की हालत गंभीर देखते हुए उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। बताया गया कि एक मोटरसाइकिल सिद्धार्थनगर ले जाया गया, जहां महिला की हालत गंभीर देखते हुए उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। बताया गया कि एक मोटरसाइकिल सिद्धार्थनगर ले जाया गया, जहां महिला की हालत गंभीर देखते हुए उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। वहीं, दूसरी

रफ्तार काफी तेज थी। इसी दौरान दोनों मोटरसाइकिलें आमने-सामने आ गईं और जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों बाइक चालक सड़क पर जा गिरे और गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई। नेपाली बाइक पर पीछे बैठे युवक के अलावा भारतीय बाइक पर सवार सुशील गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक भारतीय बाइक चालक की पहचान मोहाना थाना क्षेत्र के खलीलपुर टोला जगदीशपुर निवासी संजय (40) पुत्र हरखू के रूप में हुई है। बताया गया कि संजय अपनी पत्नी सुशीला (35) के साथ न्यायालय में किसी मुकदमे की तारीख देखने जा रहे थे। हादसे में घायल सुशीला को मेडिकल कॉलेज सिद्धार्थनगर में प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया। वहीं, दूसरी

नेपाली मोटरसाइकिल के चालक की भी हादसे में मौत हो गई। उसके साथ बाइक पर सवार एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। नेपाली बाइक चालक और घायल युवक की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी है। सूचना मिलते ही सदर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल मेडिकल कॉलेज भेजा। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिलों को मेजिक वाहन से सदर पुलिस दोनों मृतकों की पहचान कराने के साथ ही हादसे की जांच में जुटी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने तेज रफ्तार को हादसे की वजह बताया है, हालांकि पुर्णटना की वास्तविक वजह पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह का कहना है कि दोनों शव पुलिस कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बारिश में सब्जी मंडी मे जलभराव की मार से बेहाल नालियां चोक, कीचड़ और गंदगी के बीच सजी बेचने को मजबूर आढ़ती और किसान।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। नवीन कृषि मंडी परिसर में भारी बारिश के बाद जलभराव से किसानों और सब्जी कारोबारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। परिसर की सड़कों को छोड़कर अधिकांश हिस्से में पानी और कीचड़ फैला है। नालियों की सफाई सफाई न होने से जल निकासी नहीं हो पा रही है। ऐसे में आढ़तियों को सड़क पर सब्जियां रखकर कारोबार करना पड़ रहा है। मंडी परिसर में जगह-जगह गंदा पानी जमा है। कीचड़ के बीच सब्जियां रखने से उनके खराब होने का खतरा बना रहता है। वहीं ग्राहकों और किसानों को भी आने जाने में परेशानी हो रही है। जलभराव के कारण कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। सब्जी



राखा है। इससे आवागमन में भी दिक्कत होती है। बारिश के बाद समस्या और बढ़ गई है। व्यापार मंडल के पदाधिकारी और सब्जी कारोबारी मनोज सिंह ने कहा कि व्यापारी मंडी समिति को नियमित रूप से टैक्स देते हैं। इसके बावजूद उन्हें जरूरी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। जल निकासी की स्थायी व्यवस्था की जरूरत है।

इनकी भी सुनिश्च

वहीं मंडी सचिव अतुल मिश्रा ने बताया कि परिसर की नियमित सफाई कराई जाती है। बारिश के बाद नालियों की भी सफाई कराई जाएगी।

तुलसीसदन में मुख्यमंत्री के शुभारंभ कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया

बढ़े पारिश्रमिक से खिले आउटसोर्स कर्मचारियों के चेहरे, सामाजिक सुरक्षा का भी मिलेगा लाभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित लोक भवन सभागार में संपूर्ण आउटसोर्स मानव संसाधन प्रबंधन के डिजिटल एकीकरण के लिए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के लोगो, वेबसाइट एवं पोर्टल का शुभारंभ किया। इस दौरान आउटसोर्स कर्मचारियों को डेमो चेक भी वितरित किए गए। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जलपद में तुलसीसदन (हादीहाल) सभागार में किया गया जिसका अवलोकन भाजपा जिलाध्यक्ष परिषद बेल्हा अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल प्रकम सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद, डॉ0 अनार पालिका राकेश



कुमार, सहायक श्रमायुक्त मो0 अब्बास, श्रम प्रवर्तन अधिकारी महेंद्र सिंह, सभासद सहित बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मचारियों द्वारा किया गया। आउटसोर्स कर्मिकों के लिए यह घोषणा की गई कि प्रत्येक माह की 5 तारीख के भीतर निश्चित रूप से मानदेय का भुगतान होगा। कोई भी आउटसोर्सिंग एजेंसी विभाग एवं उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम की सहमति के बिना किसी कर्मचारी को नहीं हटा सकेगी। आउटसोर्स कर्मचारियों को ईएसआई के माध्यम से

पुत्र की दीर्घायु की कामना के लिए महिलाओं ने किया हल षष्ठी पर्व पर पूजा

सिद्धार्थनगर। हल षष्ठी पर्व भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई बलराम जी के जन्मोत्सव और संतान की लंबी उम्र व स्वास्थ्य के लिए माताओं द्वारा रखा जाने वाला एक महत्वपूर्ण व्रत है। बुधवार को यह पर्व उसका बाजार कस्बा सहित समूचे क्षेत्र में केवटलिया, सुगही, उसका राजा आदि में पारंपरिक तरीके से हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। हर साल भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाया जाता है। महिलाओं और बच्चों ने तिन्नी का चावल, भैंस का दही, महुआ के दातुन एवं पत्ते का प्रयोग करके लौहार मनाया। पुत्रवती माताओं द्वारा बच्चों के माथे पर टीका लगाकर दीर्घायु की कामना किया गया।



नैय्या नाले में उफान से कई गांव जलमग्न, पूर्व विधायक रामलाल अकेला ने बाढ़ प्रभावितों का जाना हाल

महाराजगंज, रायबरेली। नैय्या नाले में आए उफान के चलते महाराजगंज क्षेत्र के कई तटीय गांवों में बाढ़ का पानी भर गया है। गांवों में जलभराव के कारण ग्रामीणों को आवागमन समेत कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त होने के बीच सोमवार को पूर्व विधायक रामलाल अकेला ने बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा कर जमीनी हालात का जायजा लिया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें राहत सामग्री उपलब्ध कराई। पूर्व विधायक रामलाल अकेला ने मोन गांव के जियापुर, लालगंज, कोइली गंज समेत कई जलमग्न गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों का हालचाल जाना। उन्होंने बाढ़ प्रभावित परिवारों से उनकी समस्याएं सुनीं और हससंभव मदद का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने जरूरतमंद परिवारों को तत्काल राहत पहुंचाते हुए राशन सामग्री और आवश्यक दवाइयों की किट वितरित की। ग्रामीणों ने पूर्व विधायक को बाढ़ के कारण उत्पन्न हो रही समस्याओं से अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि जलभराव के चलते दैनिक जरूरतों की वस्तुओं के साथ-साथ आवागमन और स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें भी बढ़ गई हैं। पूर्व विधायक ने प्रभावित परिवारों को भरोसा दिलाया कि संकट की इस घड़ी में वह उनके साथ खड़े हैं और जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए हससंभव प्रयास किया जाएगा। राहत वितरण के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने भी सहयोग किया। पूर्व विधायक के साथ मोन गांव के पूर्व प्रधान माताफेर सिंह, जनई प्रधान बिल्ला सिंह, राम लखन यादव, राम केवल और बिंदू यादव समेत सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एवं महिलाएं मौजूद रहीं। ग्रामीणों ने राहत सामग्री और दवाइयां मिलने पर राहत की सांस ली।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर के विरोध में कांग्रेस का जोरदार विरोध प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। उत्तराखंड के हल्द्वानी में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को निरस्त कराने की मांग को लेकर बुधवार को प्रतापगढ़ में कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में अबेडकर चौराहे पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। विरोध प्रदर्शन में पदाधिकारी,कार्यकर्ता और समर्थक हाथों में कांग्रेस के झंडे और तख्तियां लिए राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बताते हुए इसे तुरंत वापस लेने की मांग की। इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी ने कहा कि राहुल गांधी उन करोड़ों लोगों की आवाज है जिन्हें लंबे समय से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय से वंचित रखा गया है, जब भी वे दलित, पिछड़े, आदिवासी, गरीब और वंचित समाज के अधिकारों की बात करते हैं भाजपा सरकार और उसके नेता उन्हें डराने और उनकी आवाज को दबाने का प्रयास करते हैं, भाजपा ध्यान भटकाने के लिए राहुल गांधी पर हर जगह मोहम्मद इश्तिाक करती है,लेकिन राहुल गांधी बिना डरे सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ते रहेंगे दानिवर्तमान प्रदेश सचिव बूजेन्द्र मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष



मल्लिकार्जुन खड़गे जी के अपमान और जातिवादी छुआछूत के मामले में 20 दिन बीत जाने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई, इससे यह प्रतीत होता है कि भाजपा सरकार तानाशाही पर उतारू है। इस अवसर पर मुख्य रूप से वेदांत तिवारी,प्रेम शंकर प्रयास करते हैं, भाजपा ध्यान भटकाने के लिए राहुल गांधी पर हर जगह मोहम्मद इश्तिाक करती है,लेकिन राहुल गांधी बिना डरे सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ते रहेंगे दानिवर्तमान प्रदेश सचिव बूजेन्द्र मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष

ललई सिंह यादव की मनाई गई जयंती, एकजुटता का दिया संदेश फातिमा इंटर कॉलेज सेमरी में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। सेमरी स्थित फातिमा इंटर कॉलेज परिसर में समाजवादी चिंतक एवं जननेता ललई सिंह यादव की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर उनके जीवन, संघर्ष और विचारों को याद किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शारदा प्रसाद चौधरी रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. नादिर सलाम मौजूद रहे। कार्यक्रम के आयोजक पुनीत कुमार गौतम रहे। कार्यक्रम का शुरुआत ललई सिंह यादव के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित



ललई सिंह यादव के जीवन परिचय और उनके संघर्षों के बारे में लोगों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ललई सिंह यादव ने सामाजिक बराबरी और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए लगातार आवाज उठाई और लोगों को जागरूक करने का कार्य किया। मुख्य अतिथि शारदा प्रसाद चौधरी ने भी ललई सिंह यादव के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि उनके विचार आज भी समाज के

भाजपा मंडल की बैठक में बूथ समितियों के सत्यापन पर चर्चा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इटवा (सिद्धार्थनगर)। विधानसभा क्षेत्र इटवा में भाजपा मण्डल इटवा के बूथ सत्यापन की बैठक बुधवार को भाजपा कार्यालय इटवा में पूर्व मंत्री डॉ सतीश द्विवेदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसके मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा शिवनाथ चौधरी रहे । पिछड़ा वर्ग मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष शिवनाथ चौधरी ने प्रत्येक शक्ति केंद्र पर दो दिन के भीतर बूथ समितियों का सत्यापन सुनिश्चित करने को कहा । उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन की मजबूती ही पार्टी की सफलता का आधार है। कार्यकर्ताओं को कमल के फूल को प्रत्यक्ष मानकर अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे पूर्व मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है और बूथ समिति उसकी महत्वपूर्ण कड़ी है। अभियान संयोजक राकेश मिश्रा तथा सह संयोजक रामजी मौर्य और राम निवास



महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने, मंडल स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा आगामी कार्ययोजनाओं के सफल क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में मुख्य अतिथि जिला विश्वकर्मा ने सत्यापन अभियान की कार्ययोजना और जिम्मेदारियों की जानकारी दी। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष विकास जायसवाल , जिला पंचायत सदस्य प्रदीप निभानी चाहिए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे पूर्व मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है और बूथ समिति उसकी महत्वपूर्ण कड़ी है। अभियान संयोजक राकेश मिश्रा तथा सह संयोजक रामजी मौर्य और राम निवास

चार शवों को नदी से निकालने वाले एसएसबी अधिकारी अरुण कुमार पांडेय सम्मानित

नेपाल की बाढ़ में राहत-बचाव अभियान का किया नेतृत्व, चार शवों को कराया बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। पट्टी क्षेत्र के जलालपुर उडैयाहीह निवासी अरुण कुमार पांडेय ने नेपाल में आई भीषण बाढ़ के दौरान राहत एवं बचाव कार्य में उल्लेखनीय भूमिका निभाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के दौरान भारत-नेपाल सीमा पर राहत एवं बचाव अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने वाले एसएसबी की 22वीं वाहिनी के निरीक्षक अरुण कुमार पांडेय को उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उनके नेतृत्व में एसएसबी की त्वरित प्रतिक्रिया टीम ने बाढ़ प्रभावित गंडक नदी क्षेत्र में अभियान चलाकर चार शवों को बरामद किया। निरीक्षक अरुण कुमार पांडेय के निर्देशन में जवानों ने संवेदनशील नदी क्षेत्रों में अभियान चलाया और प्रभावित इलाकों में लगातार निगरानी बनाए रखी। बचाव अभियान के दौरान चार शवों को नदी क्षेत्र से निकालकर सुरक्षित बाहर लाया गया। गंडक नदी और आसपास के संवेदनशील इलाकों पर दूरबीन के जरिए निगरानी रखी जा रही है। अरुण कुमार पांडेय के कार्य की सराहना करते हुए अधिकारियों ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। अधिकारियों ने कहा कि भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में किसी भी संभावित आपदा से निपटने के लिए बल पूरी तरह मुस्तैद है।



स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पट्टी क्षेत्र के जलालपुर उडैयाहीह निवासी अरुण कुमार पांडेय ने नेपाल में आई भीषण बाढ़ के दौरान राहत एवं बचाव कार्य में उल्लेखनीय भूमिका निभाकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नेपाल में आई भीषण बाढ़ के दौरान भारत-नेपाल सीमा पर राहत एवं बचाव अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने वाले एसएसबी की 22वीं वाहिनी के निरीक्षक अरुण कुमार पांडेय को उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उनके नेतृत्व में एसएसबी की त्वरित प्रतिक्रिया टीम ने बाढ़ प्रभावित गंडक

75 लाख की संपत्ति बिक्री की जानकारी के बाद लूट की साजिश का पुलिस का दावा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। रोहिणी के सेक्टर-3 में घर में लूटपाट के दौरान करीब 60 वर्षीय राकेश खन्ना की मौत के मामले में दिल्ली पुलिस ने मृतक की भांजी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस के मुताबिक, वारदात की साजिश मृतक की भांजी सिमरन तनेजा के अपने परिचितों के साथ मिलकर रची थी। पुलिस ने मामले में करीब 72,400 रुपये नकद और दो सोने की अंगूठियां बरामद करने की बात कही है। एक अन्य आरोपी हिमांशु अभी फरार है। पुलिस का दावा है कि राकेश खन्ना ने हाल में अपनी एक संपत्ति करीब 75 लाख रुपये में बेची थी। इसी के बारे में जानकारी मिलने के बाद सिमरन ने कथित तौर पर अपने परिचित हिमांशु के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार, वारदात से पहले आरोपियों ने 30 अगस्त को घर की रेकी की थी और उस दिन भी वारदात की कोशिश की गई थी, लेकिन वे सफल नहीं हुए। पुलिस



के मुताबिक, एक सितंबर की शाम सिमरन ने कथित तौर पर मृतक की पत्नी और अपनी मां को पश्चिम विहार स्थित एक मेले में भेज दिया। इसके बाद वह अपने मामा के घर वापस आईं। पुलिस का आरोप है कि सिमरन ने ही दरवाजा खुलवाया, जिसके बाद हेलमेट, टोपी और मास्क पहने उसके साथी घर में दाखिल हुए। प्रारंभिक जांच के अनुसार, आरोपियों ने राकेश खन्ना को काबू किया और उनका मुंह दबाया। इसके बाद

वह बेहोश हो गए। उन्हें परिजन जयपुर गोलडन अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हालांकि, मौत के वास्तविक कारण और पूरे घटनाक्रम की पुष्टि के लिए पुलिस आगे की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, घटना की सूचना एक सितंबर की रात करीब 8:14 बजे मिली थी। सूचना घर में चोरी और एक व्यक्ति के बेहोश होने के संबंध में थी। इसके बाद

सक्षिप्त खबरें

चंडीगढ़ में बिक्री के लिए लाई गई 90 पेटी शराब बरामद



बरनाला। नशे और अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बरनाला पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने प्रेम नगर में छापेमारी कर चंडीगढ़ में बिक्री के लिए लाई गई 90 पेटी शराब बरामद की है। डिप्टी कमिश्नर (आबकारी), फिरोजपुर के दिशा-निर्देश और सहायक कमिश्नर (आबकारी), संगरूर के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। आबकारी निरीक्षक दर्विंदर सिंह और राजेश कुमार के नेतृत्व में आबकारी पुलिस टीम ने जिला पुलिस के साथ मिलकर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान रवि कुमार उर्फ गब्बर पुत्र कमल कुमार और सोनिया रानी पत्नी रवि कुमार मौके से फरार हो गए। टीम ने मौके से एक क्रूज कार, दो मोटरसाइकिल और एक एक्टिवा भी बरामद की। मामले में थाना सिटी-2 बरनाला में प्राथमिकी संख्या 347, दिनांक 31 अगस्त 2026 को दर्ज की गई है। पुलिस ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

नंदलाला की किलकारियों से खिलखिलाएगा पूरा शहर, दिल्ली में जन्मोत्सव की तैयारियां तेज

नई दिल्ली। नंद के घर आनंद भग्यो, जय कन्हैया लाल की...मन हर्षित है। जन्माष्टमी में महज एक दिन रह गए हैं। शुक्रवार मध्य रात्रि कान्हा की किलकारियों से घर-मंदिर, कॉलोनियां गुंजेंगी तो गोविंदाओं की टोली मटकी फोड़े नंदगोपाल के नटखट की प्रस्तुति देगी। इस बीच, शोभायात्रा के माध्यम से आध्यात्मिकता व धार्मिक संदेश अभी से बांटे जाने लगे हैं। हर ओर कान्हा जन्मोत्सव की तैयारियां जोरो पर हैं। मंदिरों में विशेष सजावट व आयोजन के साथ घरों में लड्डू गोपाल के स्वागत की तैयारियां तेज हो गई हैं। जिसका खास असर बाजारों पर दिखाई दे रहा है। सदर बाजार व चांदनी चौक के किनारी बाजार में कृष्ण भक्ति के साथ खिरीदारी का उत्साह है। कहीं रंग-बिरंगी पोशाकें सजी हैं तो कहीं मोती-मोर पंख से दमकते मुहुट और झूलते श्रावकों को अपनी ओर खींच रहे हैं।

सार्वजनिक दुर्गापूजा महोत्सव में नाम-संकीर्तन एवं मृदंग नृत्य प्रतियोगिता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: आगामी शारदीय दुर्गोत्सव के अवसर पर भक्ति, संस्कृति एवं परंपरा के समन्वय से पातियाला सार्वजनिक दुर्गापूजा महोत्सव 2026 का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव के तहत पातियाला के समीप स्थित बटतला दुर्गा मंडप में श्रीकृष्ण नाम-संकीर्तन एवं मृदंग नृत्य प्रतियोगिता का विशेष आयोजन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, मृदंग की ताल, श्रीकृष्ण नाम-संकीर्तन की भक्तिमय धुन और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण होगी। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के लिए तीन आयु वर्ग निर्धारित किए गए हैं। 15 वर्ष से कम, 25 वर्ष से कम तथा 40 वर्ष से कम। प्रत्येक आयु वर्ग में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 10 हजार रुपये और 5 हजार रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रतियोगिता



का आयोजन 18 एवं 19 अक्टूबर 2026 को बटतला दुर्गा मंडप में होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों को 10 अक्टूबर 2026 तक पंजीकरण कराना होगा। आयोजन समिति ने प्रतिभाशाली कलाकारों, नृत्य-कलाकारों एवं संस्कृति प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। पातियाला क्रिमेटीयरियम (डेलवपमेंट कमेटी) के संयुक्त आयोजन में होने वाले इस कार्यक्रम को लेकर आयोजकों ने आशा व्यक्त की है कि श्रद्धालुओं एवं संस्कृति प्रेमियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता से दुर्गापूजा महोत्सव और भी भव्य एवं यादगार बनेगा।

मेयर इंद्रजीत कौर ने जागरूकता-सह-सफाई अभियान का किया नेतृत्व

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता



खुले क्षेत्रों और खाली प्लॉटों में कचरा फेंकना बंद करने की अपील की गई। कचरा कूड़ा संग्रह करने वाले कर्मचारियों को सौंपा जाना चाहिए या नगर निगम द्वारा निर्धारित स्थिर कॉम्पेक्टर स्थानों पर ही डाला जाना चाहिए। मेयर इंद्रजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और स्थानीय निकाय मंत्री हरजोत सिंह बैस के नेतृत्व में काम करते हुए वे टिकाऊ विकास की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। कचरा प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए हर पहलू को कवर किया जा रहा है। मेयर इंद्रजीत कौर ने आगे कहा कि जमीनी स्तर पर स्थिति की जांच करने के लिए औचक निरीक्षण भी किए जा रहे हैं। विभागीय कार्रवाई से बचने के लिए अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई सुनिश्चित करने हेतु फोल्ड स्टॉफ को सख्त निर्देश जारी अपनाने की अपील की। इसके अलावा लोगों से



उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखने में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि 'मिशन कर्तन पंजाब' के तहत लुधियाना शहर के छोटे-छोटे कूड़ा ढोंगों की सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ शहर बनाना केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भी समान जिम्मेदारी है। उन्होंने शहरवासियों से अपील की कि वे सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा न फेंकें तथा सफाई व्यवस्था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला। प्लास्टिक कचरे के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्रोत स्तर पर इसके पृथक्करण एवं संग्रह को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) ने सरकारी मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल ऑफ एमिनेंस, फील्डखाना, पटियाला में 'पंजाब प्लास्टिक चैंपियंस कार्यक्रम' की शुरुआत की। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए पीपीसीबी की चेयरपर्सन रीना गुप्ता ने कहा कि यह पहल केवल प्रतियोगिता या दो सप्ताह के संग्रह अभियान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका उद्देश्य स्कूलों के माध्यम से बच्चों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और व्यवहार में स्थायी बदलाव लाना है। उन्होंने विद्यार्थियों और स्कूलों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि पटियाला के बच्चे इस अभियान को सफल बनाते हैं तो यह अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण बन सकता है। कार्यक्रम के तहत स्कूल आधारित बहुस्तरीय प्लास्टिक (एमएलपी) कचरा संग्रह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसमें चिप्स व स्नैक पैकेट, विस्कुट एवं कम्फैक्शनरी पैपर, नूडल्स



को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि लोग अपना धैर्य कूड़ा केवल नगर निगम के घर-घर कूड़ा एकत्र करने वाले वाहनों को ही दें। कैबिनेट कूड़ा ढोंगों में विशेष रूप से रेड्डी-फ़डी वालों से अपील की कि वे अपने आसपास के क्षेत्र को साफ रखें और कूड़ा निर्धारित स्थान पर ही डालें। उन्होंने कहा कि लोगों के सहयोग से ही लुधियाना को स्वच्छ, सुंदर और साफ-सुथरा शहर बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

खन्ना में नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, केमिस्ट गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खन्ना, लुधियाना- पंजाब सरकार की 'युद्ध नशों के विरुद्ध' मुहिम के तहत पुलिस जिला खन्ना में एसएसपी डॉ. दर्पण आहलुवालिया के नेतृत्व में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान बड़ी कार्रवाई की गई है। गुरुद्वारा श्री मंजी साहिब के नजदीक मेडिकल स्टोर की आड़ में नशीली दवाइयों बेचने के आरोप में खन्ना पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 460 प्रतिबंधित प्रेग्नाबलिन 300 एमजी कैप्सूल बरामद किए। कार्रवाई के बाद मेडिकल स्टोर को भी सील कर दिया गया। इधर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि मेडिकल स्टोर की आड़ में नशीली या अंगूठियां बरामद की गई हैं। पुलिस अब फरार आरोपी हिमांशु की तलाश कर रही है। दक्षिण रोहिणी थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 309(4) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि जांच अभी जारी है और आरोपियों की भूमिका, बरामदगी तथा राकेश खन्ना की मौत की परिस्थितियों को विस्तृत जांच की जा रही है।



कैप्सूल बरामद हुए। इन दवाइयों की बिक्री से संबंधित रिकॉर्ड मांगे जाने पर केमिस्ट कोई संतोषजनक रिकॉर्ड पेश नहीं कर सका। पुलिस ने मौके पर केमिस्ट रघुपाल सिंह निवासी गांव कोट पानेच, वर्तमान निवासी गुरु हरिकृष्ण नगर, खन्ना को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी के कब्जे से 460 कैप्सूल के अलावा 16,500 रुपये की ड्रग मनी भी बरामद की गई। इसके बाद मेडिकल स्टोर को तुरंत सील कर दिया गया और अगले आदेश तक स्टोर बंद रहेगा। ड्रग इंस्पेक्टर डॉ. संदीप कौशिक ने बताया कि रघुपाल सिंह का पिछला अपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया है। उनके अनुसार, 12 अगस्त 2023 को उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला

दर्ज हुआ था, जिसमें नशीली दवाइयों बरामद हुई थीं। इस मामले में वह करीब चार महीने लुधियाना जेल में रहा और 8 दिसंबर 2023 को रिहा हुआ था। अब दोबारा नशीली दवाइयों बेचने संबंधी शिकायतें मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई है। डॉ. संदीप कौशिक ने कहा कि आरोपी के मेडिकल स्टोर का लाइसेंस रद्द करने के लिए भी विभाग द्वारा कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि जो भी मेडिकल स्टोर संचालक नियमों का उल्लंघन कर प्रतिबंधित दवाइयों को नशे के तौर पर बेच रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी डॉ. दर्पण आहलुवालिया ने कहा कि नशे के खिलाफ खन्ना पुलिस की जंग लगातार जारी रहेगी। नशा बेचने वाले किसी भी तरीके से अपना अवैध कारोबार चलाने की कोशिश करें, लेकिन वे कानून की गिरफ्त से नहीं बच सकते। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के सहयोग से ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। इस मौके पर सेशन ब्रांच के ईंवांच नरनैत सिंह, सदर थाना एसएचओ पवित्र सिंह और महिला सब-इंस्पेक्टर जगप्रसन्न कौर सहित अन्य पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे।

स्कूली बच्चों को 'प्लास्टिक चैंपियन' बनाने की पहल, पीपीसीबी ने शुरू किया 'पंजाब प्लास्टिक चैंपियंस कार्यक्रम'



पैकेट, सेंसे तथा अन्य लचीली प्लास्टिक पैकेजिंग को एकत्र किया जाएगा। ऐसी प्लास्टिक की पुनर्चक्रण क्षमता सीमित होने के कारण इसके प्रबंधन की चुनौती अधिक रहती है। सामान्य कचरे के साथ मिलने पर यह अंततः लैंडफिल में पहुंचकर कचरे का बोझ बढ़ाती है। पीपीसीबी का उद्देश्य बच्चों में कम कचरा प्रबंधन की आदत विकसित करना है। विद्यार्थियों को घरों से निकलने वाले एम्पलपी कचरे को एकत्र कर साफ एवं सूखा रखने और स्कूलों में निर्धारित संग्रह बॉक्स में जमा करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। बोर्ड एकत्रित सामग्री को उचित प्रसंस्करण एवं पुनर्प्राप्ति के लिए भेजने की व्यवस्था करेगा। यह कार्यक्रम पंजाब

प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट सोसाइटी और स्थानीय गैर-सरकारी संस्था 'मेरा पटियाला मैं ही सवारा' के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। उद्घाटन समारोह में 20 से अधिक स्कूलों के प्रतिनिधियों, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), ईको-क्लब समन्वयकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। जिला उम से ही कचरा पृथक्करण और जिम्मेदार कचरा प्रबंधन की आदत विकसित करना है। विद्यार्थियों को घरों से निकलने वाले एम्पलपी कचरे को एकत्र कर साफ एवं सूखा रखने और स्कूलों में निर्धारित संग्रह बॉक्स में जमा करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। बोर्ड एकत्रित सामग्री को उचित प्रसंस्करण एवं पुनर्प्राप्ति के लिए भेजने की व्यवस्था करेगा। यह कार्यक्रम पंजाब

भारतीय जीवन बीमा निगम के 70वें स्थापना दिवस पर वृक्ष पौधारोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। पेड़ रहने से प्रकृति का संतुलन बरकरार रहेगा। विशुद्ध वायु के साथ देसी खान-पान जीव को सुस्त रखने में मदद करता है और सुस्त बतावरण में दिए गए शिक्षा से मानव संपद निर्माण में सहायक होता है। इस उद्देश्य को आगे रखते हुए 1956 में प्रतिष्ठित भारतीय जीवन बीमा निगम के 70वीं प्रतिष्ठ



किया आह्वान करते हुए कहा जरूरतमंद विद्यालय में यातायात के लिए बस एवं वैन की सुविधा, बीमा विद्यालय के सुविधा के अलावा हालही में 27 अगस्त को संस्था के जोरहाट डिवाइजन की तरफ से असम मेडिकल कॉलेज डिब्रूगढ़ में स्त्री एवं प्रसूति विभाग में बेहतर इलाज 4.67करोड़ का लागत से आधुनिक मिशनरियां मुहैया किया गया है जो सर्वसाधारण जरूरतमंद लोगों को इसका भरपूर लाभ उठाने के लिए अग्रह किया। आज इस कार्यक्रम में सिलापथार (licia) सोनाराम शौकिया ने भारतीय जीवन बीमा निगम के तरफ से प्रदान किए जा रही सुविधाओं के लाभ उठाने के लिए लोगों को

संजय झील में डूबने से तीन युवकों की मौत, स्कूल के समय से थी गहरी दोस्ती

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूर्वी दिल्ली। दोस्ती सिर्फ एक शब्द नहीं है। यह वह एहसास है जिसको लोग जीते हैं। मंगलवार देर शाम को संजय झील में एक युवक नहाने के दौरान डूब गया, तैरना नहीं आता था। फिर भी उसके दोनों दोस्त जान की परवाह किए बिना झील में कूद गए। तीनों दोस्तों की जान चले गई। तीनों की दोस्ती ऐसी कि जान चली गई, लेकिन आखिरी वक्त भी एक दूसरे का साथ नहीं छोड़ा। तीनों के शवों का पोस्टमार्टम एकसाथ हुआ। लेकिन अंतिम संस्कार अलग-अलग हुआ। परिवार के साथ ही उनके पड़ोसियों की आंखें नम थीं। पांडव नगर थाना पुलिस ने एलबीएस अस्पताल में बुधवार को आशीष नोटियाल, दोने दोस्त सौरव रावत व साहिल का पोस्टमार्टम करवाकर शव स्वजन को सौंपा। सौरव का अंतिम संस्कार गाजीपुर में हुआ, जबकि साहिला को कोटला के कब्रिस्तान में दफनाया

गया। कल्याणपुरी में दो लोगों के साथ एकसाथ पहुंचे तो आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। तीनों युवक स्कूल से दोस्त थे। तीनों अक्सर संजय झील में घूमने के लिए जाते थे। वह दीवाली व ईद समेत अन्य त्योहार मिलकर मनाते थे। एक दूसरे के घर पर खाना खाते थे। बता दें मंगलवार देर शाम को आशीष संजय झील में नहाने गए थे, वह पानी में डूबने लगे। उन्हें बचाने के लिए उनके दोनों दोस्त गए। तीनों की डूबकर मौत हो गई। पढ़ाई के साथ ही रैपिडो चलाकर घर चला रहा था सौरव रावत सौरव रावत अपने परिवार के साथ कल्याणपुरी में रहते थे। जब वह पांच वर्ष के थे, उसी दौरान पिता की मौत हो गई थी। परिवार में मां, बड़ा भाई व एक बहन है। सौरव पंचाचर से बीए कर रहे थे। इसके साथ ही वह रैपिडो चलाते थे। मृतक के भाई हेमंत ने कहा कि सौरव का संस्कार उसके दोनों दोस्त थे। वह बचपन से उनके साथ था। वह हर खुशी व

गम दोनों के साथ ही साझा करता था। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के एक सदस्य की नहीं तीन लोगों की मौत हुई है। सौरव के दोनों दोस्त भी उनके परिवार के अहम हिस्सा थे। एंबुलेंस से हरिद्वार गया आशीष नोटियाल का शव आशीष नोटियाल मूलरूप से उत्तरकाशी स्थित जोगध गांव के रहने वाले थे। परिवार में पिता लक्ष्मी प्रसाद, मां व दो भाई हैं। आशीष का छोटा भाई मानसिक रूप से कमजोर है। आशीष इंवेस्टमेंट कंपनी में नौकरी करते थे। लक्ष्मी प्रसाद ने बताया कि वह आशीष के शव को हरिद्वार लेकर गए हैं। वहां पर अंतिम संस्कार करेंगे। उन्होंने कहा कि आशीष के कंधों पर घर की जिम्मेदारी थी। परिवार उसकी शादी की तैयारी कर रहा था। शादी के लिए लड़की तलाश की जा रही थी। उन्होंने कहा नहीं पता कि हादसा कैसे हुआ है। आशीष की मां बार-बार बेहोश हो रही थी, उन्हें यकीन नहीं आ रहा कि बेटा अब इस दुनिया में नहीं रहा।

उपकार फाउंडेशन द्वारा भव्य स्कॉलरशिप वितरण कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। उपकार फाउंडेशन लगातार छात्रों,विधवाओं, विकलांगों एवं समाज के कमजोर वर्ग को आर्थिक मदद करती आई है।इसी श्रृंखला में ब्रह्म कुमारी राज योगा सेंटर मालवीय नगर में उपकार फाउंडेशन की ओर से 40 प्रतिभावान विद्यार्थियों को 2000 स्कॉलरशिप,पाठ्य सामग्री,प्रदान किए गए।डॉ. पूरन सिंह डबास पूर्व अध्यक्ष आर्य समाज साकेत की ओर से बच्चों को सुंदर डायरी भी प्रदान की गई।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फाउंडेशन के राष्ट्रीय सलाहकार डॉ.आर. कार्तिकेन,पूर्व विधायक नरेश यादव के अलावा विशेष अतिथि स्वकांड लीडर अशोक आहुजा, सलाहकार प्रमोद पाठक,डॉ.मधु चौधरी,डॉ.बनमाला बाबु, डी. धूपिया, राधा प्रसाद, कविता बांका, सविता सिक्का, दिवशी दीगरा, प्रेरणा मोहन ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।वहीं, बीके



नीरू दीदी, इंजी वाई एल बांका,ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।बीके नीरू दीदी ने योगाभ्यास एवं नशा मुक्ति अभियान पर सार्वभौमिक विचार रखें।इस अवसर पर चर्चा का मुख्य विषय है।हमीनसे था।इस विषय पर सबसे तार्किक विचार रखने वाले विद्यार्थियों को मेडल प्रदान किये गए।फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ बांका ने ब्रह्म कुमारी एवं समस्त उपस्थित गणमान्य जनों एवं कार्यकर्ताओं का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। उपकार फाउंडेशन की चेयरपर्सन डॉ रेखा बांका समग्र-समय पर होनहार विद्यार्थियों एवं जरूरतमंदों को आर्थिक मदद एवं अन्य जरूरी सामग्री प्रदान करती रही है।

इफको-एमसी के 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संघाणी ने संबोधित किया

कहा 12 वर्षों में हमने कितना कारोबार किया यह महत्व पूर्ण नहीं है बल्कि किसानों तक कितनी पहुँच बनाई, कितने किसानों की सेवा की।यह महत्व पूर्ण है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
दया शंकर त्रिपाठी
ब्यूरो प्रयागराज । इफको संस्था के अध्यक्ष दिलीप संघाणी ने कहा हैकि आज हम इफको-एमसी का 12वाँ स्थापना दिवस मना रहे हैं। इसलिए केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि हमने 12 वर्षों में कितना कारोबार किया। हमें यह भी देखना होगा कि इन 12 वर्षों में हमने कितने किसानों तक पहुँच बनाई, कितने किसानों की सेवा की और उनके जीवन में कितना सकारात्मक परिवर्तन ला सके। उन्होंने कहाकि प्रधानमंत्री नरेन्द्रभाई मोदी जी द्वारा गठित स्वच्छ समिति का सदस्य होने के नाते मुझे किसानों की वास्तविक समस्याओं और उनके सुझावों को नीति-निर्माण के बारे में



मेरे अनुभव साझा किया। सहकारिता किसान को अकेला नहीं छोड़ती। वह किसान को संगठन की शक्ति देती है, बाजार

से जोड़ती है और उसके हितों की सामूहिक रूप से रक्षा करती है। हमें किसान की आय की चिंता के साथ-साथ किसान के स्वास्थ्य

और उसके सामाजिक जीवन की भी चिंता करनी होगी। नेफ्कोक के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हुए मुझे वैश्विक स्तर पर सहकारी संस्थाओं और किसानों पर पड़ने वाले आर्थिक दबाव को भी करीब से समझने का अवसर मिला, उन दिनों के मेरे अनुभव साझा किया। आज इफको-एमसी के 12वें स्थापना दिवस पर हमें अपनी स्थापना के समय के सिद्धांतों, उद्देश्यों और संकल्पों को फिर से याद करना चाहिए। हमें यह तय करना होगा कि आने वाले वर्षों में इफको-एमसी केवल एक सफल संस्था के रूप में नहीं, बल्कि किसानों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाने वाली संस्था के रूप में पहचानी जाए। क्योंकि किसान हित सर्वोपरि,है राष्ट्र हित सर्वोपरि है।

उत्तर प्रदेश के आउटसोर्स कर्मियों के लिए नई व्यवस्था की शुरुआत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
ब्यूरो प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का नगर निगम सभागार में सजीव प्रसारण किया गया, जिसे वहां उपस्थित लोगों के द्वारा देखा व सुना गया। मुख्यमंत्री जी ने आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं को समझते हुए उनके दैनिक जीवन को सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य के साथ आउटसोर्स सेवा निगम का गठन करते हुए आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन में बढोत्तरी के साथ ही उनके लिए कई सामाजिक सुरक्षाओं की घोषणा की है। आउटसोर्स कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री जी ने कुछ दिन पूर्व ही आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री, रसेाईया, शिक्षामित्रों, अनुसेवकों के वेतन को भी बढ़ाकर दुगुना कर दिया है। सरकार का एक मात्र संकल्प है कि समाज के अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति के जीवन में एक नई चेतना,



रोशनी आये तथ़ा एक नया संकल्प जागृत हो। उत्तर प्रदेश में आउटसोर्स कर्मियों की नियुक्ति और सेवा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में नई पहल शुरू की गई है। इसके तहत उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम के माध्यम से आउटसोर्स सेवाओं के प्रबंधन को डिजिटल और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। आउटसोर्स सेवा निगम नई व्यवस्था में जेम पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी एवं निष्पक्ष तरीके से एजेंसियों के चयन की व्यवस्था

की गई है। साथ ही आउटसोर्स कर्मियों के वेतन, ईपीएफ और ईएसआईसी से संबंधित रिकॉर्ड एवं भुगतान व्यवस्था को डिजिटल माध्यम से अधिक जवाबदेह बनाने का प्रावधान है। आउटसोर्स सेवा निगम का उद्देश्य आउटसोर्स कर्मियों, सरकारी विभागों और सेवा प्रदाता एजेंसियों के बीच पारदर्शिता, जवाबदेही और बेहतर समन्वय स्थापित करना है। इस अवसर पर विधायक फाफामऊ श्री गुरु प्रसाद मोर्य विधायक करछना श्री पीपूष रंजन निषाद, विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी, पाषर्दांग, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, नगर आयुक्त सीतलम साई तेजा, अपर नगर आयुक्त शशा दाब असलम, अपर नगर अरविंद कुमार राय, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी संजय मंगगई सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण व बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

महेवा से 15 वर्षीय छात्र 5 दिनों से लापता

नैनी, प्रयागराज । एग्रीकल्चर महेवा क्षेत्र से एक 15 वर्षीय छात्र पिछले 5 दिनों से लापता है। परिजनों ने हर जगह खोजबीन की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा, जिसके बाद नैनी थाने में गुमशुदगी की तहरीर दी गई है।गुमशुदा छात्र का नाम सुन्दरम् है। उसकी उम्र लगभग 15 वर्ष, कद 5 फुट 5 इंच और रंग सांवला है। वह सैम हिंगिनबॉटम इंटर कॉलेज में पढ़ाई करता है। लापता होने के समय वह चैकदार शर्ट और पैर में चप्पल पहने हुए था।छात्र एग्रीकल्चर कैम्पस महेवा नैनी प्रयागराज का निवासी है। उसके पिता शुआट्स में गार्ड की नौकरी करते हैं।भाई शिवम पुत्र अजय कुमार ने बताया कि सुन्दरम् 28 अगस्त को शाम 7 से 8 बजे के बीच घर से निकला था और 5 दिन बीत जाने के बाद भी वापस नहीं लौटा है।परिवार ने लोगों से अपील की है कि किसी को भी इस छात्र के बारे में कोई जानकारी मिले तो तत्काल संपर्क करें।

सीसीटीवी कैमरा तोड़ने व जान से मारने की धमकी देने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

नैनी, प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र थाना अंतर्गत तेंदुआवन निवासी प्रभु नाथ पाण्डेय ने पुलिस को तहरीर देकर पड़ोस के तीन लोगों पर घर में लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़ने, आए दिन गाली-गलौज करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। तहरीर के अनुसार, कथित रूप से तीन लोग मिलकर उनके घर/परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे को जानबूझकर तोड़ दिया। इससे कैमरा क्षतिग्रस्त होने के साथ उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ। आरोप है कि उक्त लोग आए दिन उनके और परिवार के साथ गाली-गलौज करते हैं तथा जान से मारने की धमकी देते हैं। इससे परिवार में भय का माहौल है। प्रभु नाथ पाण्डेय ने पुलिस को बताया कि घटना से संबंधित साक्ष्य मौजूद हैं। उनके बगल में लगे कुलदीप पाण्डेय के सीसीटीवी कैमरे में भी घटना रिकॉर्ड होने की संभावना है। उन्होंने पुलिस से संबंधित फुटेज को तत्काल सुरक्षित कराकर जांच में शामिल किए जाने की मांग की है। सीसीटीवी कैमरे को हूए नुकसान की भरपाई तथा परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की है।

झाड़ियों की गिरफ्त में करोड़ों की लागत से बना रोडवेज बस स्टैंड

पूरनपुर (पीलीभीत)। रोडवेज बस अड्डे पर बना बस स्टैंड झाड़ियों की गिरफ्त में कैद है। इसको लेकर हिंदू संगठन के जिलाध्यक्ष ने नाराजगी जताते हुए जिम्मेदारों से बस स्टैंड के पास सफा सफाई कराने के साथ ही बस अड्डे पर बसों का संचालन कराए जाने की मांग की है। हिंदू संगठन के जिलाध्यक्ष अंकुर गुप्ता ने करोड़ों रुपये की लागत से बनाए गए पूरनपुर रोडवेज बस स्टैंड की बदहाल स्थिति को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें बस स्टैंड परिसर में उगी झाड़ियां और अव्यवस्थाएं दिखाई दे रही हैं। अंकुर गुप्ता ने आरोप लगाया कि जनता की सुविधा के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रोडवेज बस स्टैंड का निर्माण कराया गया था, लेकिन वर्तमान में इसकी स्थिति उपेक्षा के कारण खराब होती जा रही है।

नैनी से सहस्रों तक जाने वाले रिंग रोड के लिए गंगा जी पर बन रहे सेतु के निर्माण प्रगति का किया स्थलीय निरीक्षण ।



स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बुधवार को नैनी से झूंसी होते हुए सहस्रों तक जाने वाले रिंग रोड के लिए गंगा जी पर बन रहे सेतु के निर्माण कार्यों की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य को समय से पूर्ण

न कराये जाने एवं बार बार कार्य की समयावधि को बढ़ाये जाने पर कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की प्रगति, गुणवत्ता एवं सुरक्षा मानकों के बारे में जानकारी लेते हुए कार्यदायी संस्था जीपीटी इंफ्रा प्रोजेक्ट लि0 को गुणवत्ता के साथ समय से कार्य

को पूर्ण किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने एनएचआई के अधिकारियों को भी निर्णमित रूप से कार्य की गुणवत्ता का निरीक्षण करते रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मैनावाँर बढ़ाकर कार्य को गुणवत्ता के साथ जून-2027 तक पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर कार्यदायी संस्था एनएचआई के अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में ली गई दिल्ली विश्वविद्यालय की आकृति चौधरी को लेकर सरकार से वीडियो साक्ष्य पेश करें ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा में अप्रैल 2026 में हुए श्रमिक प्रदर्शन के मामले में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में ली गई दिल्ली विश्वविद्यालय की इतिहास स्नातक आकृति चौधरी की भूमिका को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार से वीडियो साक्ष्य पेश करने को कहा। अदालत ने पृछा कि आखिर वह कौन सा साक्ष्य है जिससे यह साबित होता है कि आकृति ने प्रदर्शनकारियों को पत्थरबाजी या वाहनों में आग लगाने के लिए उकसाया था। जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अचल सचदेव की खंडपीठ मंगलवार को आकृति चौधरी की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में करीब पांच महीने से जारी हिरासत को चुनौती दी गई। सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने राज्य सरकार से पूछा कि वह रिकॉर्ड में कहां यह दर्ज है कि आकृति ने

लोगों को बुलाकर पत्थर फेंकने के लिए कहा था। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या कोई ऐसा साक्ष्य है जिससे पता चलता हो कि उसने प्रदर्शनकारियों को वाहनों में आग लगाने के लिए कहा था। वह पांच महीने से जेल में हैं।' इसके बाद राज्य सरकार ने मामले में अदालत को बताया कि मामले में आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। इस पर जस्टिस अतुल श्रीधरन ने कहा कि आरोपपत्र दाखिल होने के बाद यह देखा जाना चाहिए था कि किन गवाहों ने विशेष रूप से आकृति का नाम लिया है। इसके बाद राज्य सरकार ने आकृति को आरोपों से जोड़ने वाले गवाहों के बयानों का हवाला दिया। हालांकि, अदालत ने कथित घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग के बारे में सवाल किया और राज्य से पूछा कि वीडियो में वह स्थान दिखाया जाए जहां आकृति प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर भड़का रही हों। राज्य सरकार ने कहा कि वह वीडियो हासिल कर अदालत के समक्ष पेश

करेगी और इसके लिए समय मांगा। कोर्ट ने और समय देने से इनकार कर दिया। जस्टिस श्रीधरन ने कहा कि आकृति पहले ही पांच महीने से जेल में हैं। उन्होंने कहा, 'मैं समय नहीं दूंगा। वह पांच महीने से जेल में हैं।' इसके बाद राज्य सरकार ने मामले को अगले दिन सुबह 10 बजे सुनवाई के लिए रखने का अनुरोध किया, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। खंडपीठ ने मौखिक रूप से यह भी कहा कि यदि रिकॉर्ड से यह सामने आया कि अधिकारियों ने मनमाने तरीके से अपनी शक्तियों का इस्तेमाल किया है तो संबंधित जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पर जुर्माना लगाया जा सकता है। 25 वर्षीय आकृति चौधरी दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास की स्नातक हैं। उन्हें नोएडा में अप्रैल में हुए श्रमिक प्रदर्शन से जुड़े मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून, 1980 के तहत हिरासत में

लिया गया। उनकी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में हिरासत की वैधता और उसे जारी रखने को चुनौती दी गई। इस मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस ने 13 मई को पत्रका सत्यम वर्मा और आकृति चौधरी के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लगाया। दोनों उन सात कार्यकर्ताओं में शामिल थे जिन्हें प्रदर्शन से जुड़े अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया गया। इससे पहले गौतमबुद्ध नगर को पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने मीडिया के सामने दावा किया कि सत्यम वर्मा और आकृति चौधरी समेत गिरफ्तार किए गए लोगों के खिलाफ पुलिस के पास मजबूत इलेक्ट्रॉनिक और वीडियो साक्ष्य मौजूद हैं। अब हाईकोर्ट ने राज्य से विशेष रूप से वह वीडियो साक्ष्य पेश करने को कहा, जिससे आकृति पर प्रदर्शनकारियों को हिंसा के लिए उकसाने के आरोप की पुष्टि हो सके।

संतानों की दीर्घायु और सुख-समृद्धि के लिए महिलाओं ने रखा हल छठ व्रत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के चक रघुनाथ स्थित राम जानकी मंदिर में बुधवार को संतानों की दीर्घायु, आरोग्य और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर महिलाओं ने पूरे विधि-विधान के साथ हल छठ (हरछठ/ललही छठ) का पर्व मनाया। इस दौरान माताओं ने निर्जला व्रत रखकर अपने पुत्रों की लंबी आयु एवं कल्याण की कामना की। पूजा के अवसर पर महिलाएं सामूहिक रूप से एकत्र हुईं। महिलाओं ने कुश, पलाश और झरबेरी की झाड़ियों की स्थापना कर हरछठ माता का प्रतीक बनाया। पूजा स्थल पर पारंपरिक रूप से तालाब (बेड़ी) बनाकर कुश स्थापित की गई। इसके बाद धूप, दीप, फूल एवं फल अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती की गई।पूजन के दौरान महिलाओं ने महुआ, चना, पसाही का चावल (तिनी का चावल), छह प्रकार के अनाज तथा भैंस



के दूध-दही से बने प्रसाद का भोग लगाया। वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक गीतों के बीच महिलाओं ने हरछठ माता की पूजा की।पूजा के उपरांत महिलाओं ने सामूहिक रूप से हल छठ माता की व्रत कथा का श्रवण किया। इसके बाद माताओं ने अपनी संतानों के सिर पर अक्षत एवं हल्दी का टीका लगाकर उन्हें आशीर्वाद दिया और उनके सुखी, स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।इस अवसर पर यशोदा देवी जायसवाल,पम्मी जायसवाल, अनुस्का जायसवाल, रेनु, शिवानी केसरवानी, पुष्पा केसरवानी सहित मोहल्ले की कई महिलाएं मौजूद रहीं।

जिलाधिकारी ने सलोरी कछार पहुंचकर बढ़ रहे जलस्तर का जायजा लिया



स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बुधवार को बाढ़ के दुर्घटित सलोरी कछार की निरीक्षण किया। उन्होंने सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में आमजन को कोई दिक्कत न हो। नदी का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे है। नदी के किनारे क्षेत्रों में अल्टर टीएम किया गया है। एनडीआरएफ की टीम लगातार भ्रमणशील रहकर स्थिति पर नजर रख रही है। सभी राहत शिविर क्रियाशील है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि बाढ़ का पानी

ज्यादा बढ़ता है, तो वे बाढ़ राहत शिविरों में शिफ्ट हो जाये। जिलाधिकारी ने नगर क्षेत्र में नगर निगम को व ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतीराज विभाग को साफ-सफाई की व्यवस्था हेतु निर्देशित किया है। इसके साथ ही दवाओं का छिड़काव भी कराये जाने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी ने बाढ़ राहत केन्द्रों में गुणवत्तापूर्ण खाना, पानी, प्रकाश, दवाओं सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान बाढ़ एवं राहत कार्य से संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएचसी में बढहाल स्वास्थ्य सेवाओं से रोगी और तीमारदार परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
पूरनपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बढहाल स्वास्थ्य सेवाओं का खामियाजा रोगियों और तीमारदारों को भुगटना पड़ रहा है। अस्पताल में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी की लगातार गैर मौजूदगी रहने के कारण स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होने के बजाये उनमें दिन प्रतिदिन गिरावट आ रही है। यही नहीं सूत्र तो यह भी बताते हैं कि अस्पताल में तैनात डॉक्टरों के द्वारा गरीब मरीजों को बाहर की दवाएं लिखी जा रही हैं। जिससे जहां सरकार की निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की मंशा पूरी नहीं हो रही है, वहीं दूरदराज से आने वाले मरीज अपने आप को ठगा सा महसूस कर रहे हैं। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए भीम आर्मी एकता मिशन के तहसील अध्यक्ष ने इसकी शिकायत जिलाधिकारी से कर एमओआईसी को लीक रूपए पानी की तरह बहाने मोटा कमीशन मिलने के चलते यह गोखबंधा किया जा रहा है। जिसके बाद भी चिकित्सा प्रभारी अधिकारी को तैनाती कराने की मांग की है। पूरनपुर निवासी भीम



आर्मी एकता मिशन के तहसील अध्यक्ष शुभम कुमार सागर ने बताया कि उन्हें व संगठन के अन्य साथियों को लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात डॉक्टर संचालकों से मिलीभगत के चलते अस्पताल में आने वाले गरीब मरीजों को अस्पताल से दवाई मुहैया कराने की जगह बाहर की दवाई लिखने में अधिक दिलचस्पी दिखाते हैं। संगठन पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आरोप है कि दवाओं पर मोटा कमीशन मिलने के चलते यह गोखबंधा किया जा रहा है। जिसके बाद भी भोले वाले मरीज इस पर अपनी आवाज भी नहीं उठा पाते हैं। तहसील अध्यक्ष शुभम

कुमार सागर ने कहा कि वह इस पूरे प्रकरण की जिलाधिकारी से शिकायत की गई है। साथ ही उन्होंने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में व्याप्त अव्यवस्थाओं में कहीं ना कहीं प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ मनीष राज शर्मा को अपने कर्तव्यों के प्रति बढ़ती जा रही लापरवाही कारण बनी हुई है। उन्होंने कहा कि अस्पताल जाने पर अधिकतर ज्ञात होता है कि एमओआईसी श्री शर्मा अस्पताल में मौजूद नहीं हैं। जिसके चलते निरंकुश अधीनस्थ गरीब जरूरतमंद रोगियों का समुचित उपचार नहीं करते हैं। यही नहीं चोटिल मरीजों से पट्टियां बाहर से मंगाई जाती हैं साथ ही रेबीज के इंजेक्शन लगवाने आने वाले लोगों से डिस्पोजल सिरिंज मेडिकल स्टोर से मंगावाई जाती है। उन्होंने कहा कि जहां सरकार स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर करने को लेकर रूपए पानी की तरह बहाने का दावा करती है। वहीं जिम्मेदार विभिन्न बीमारियों में नाम मात्र की दवाएं मरीजों को देकर औपचारिकता निभा रहे हैं। श्री सागर का कहना है कि पूरनपुर सीएचसी का क्षेत्र

काफी बड़ा होने के कारण यहां प्रतिदिन हजारों की संख्या में मरीज अपना इलाज करवाने आते हैं। कारण है कि गरीबी के चलते वह लोग अच्छे अस्पतालों में अपना इलाज करवाने में असमर्थ हैं। लेकिन यहां मोटी तनख्वाह पाने वाले डॉक्टर लापरवाही बरतते हैं। अस्पताल में एमओआईसी की गैर मौजूदगी के चलते इन पर अंकुश लगाने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान एमओआईसी डॉ0 मनीष राज शर्मा की पूरनपुर में तैनाती के बाद से स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होने की बजाये लगातार स्वास्थ्य सेवाओं में गिरावट आ रही है। जिसका मुख्य चिकित्सा अधिकारी को संज्ञान लेना चाहिए। इस मामले में जिलाधिकारी से की गई शिकायत करने वालों में जिला उपाध्यक्ष नदीम, जिला संगठन सचिव विजय कुमार गौतम आदि थे। जब अस्पताल में व्याप्त अनियमितताओं एवं संबंधित शिकायत के बाबत मुख्य चिकित्सा अधिकारी से वार्ता करने हेतु उनके मोबाइल नंबर +918417988203 पर 06 बजकर 56 मिनट पर कॉल की गई तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं की।

वीबी-जी राम जी योजना को लेकर पंच सम्मेलन में ग्रामीण विकास पर मंथन

.....सीडीओ प्रभुल्ल कुमार शर्मा ने जनप्रतिनिधियों से सहभागिता बढ़ने का किया आह्वान, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पारदर्शिता पर दिया जोर ।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम पंचायतों की सहभागिता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से बुधवार को जनपद स्तरीय पंच सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका, ग्रामीण विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जनप्रतिनिधियों को दी गई। मुख्य विकास अधिकारी प्रभुल्ल कुमार शर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास में ग्राम पंचायतों और



जनप्रतिनिधियों की सहभागिता बेहद महत्वपूर्ण है। शासन की योजनाओं का लाभ पात्र ग्रामीणों तक पहुंचाने के लिए अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनसहयोग को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। सम्मेलन

में उपायुक्त श्रम रोजगार वीबी-जी राम जी सुशील कुमार सिंह ने योजना से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की जानकारी देते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन में जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर प्रकाश डाला। मास्टर ट्रेनर राज किशोर ने प्रशिक्षण एवं योजना से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी, जबकि सहायक निदेशक

विवेक और जिला प्रशिक्षण अधिकारी प्रयागराज ने भी सम्मेलन में प्रतिभागियों को आवश्यक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में जिले के समस्त खंड विकास अधिकारी, एपीओ उदय राज शर्मा, तकनीकी सहायक समेत अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। इसके अलावा जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, ग्राम प्रधान

एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी सम्मेलन में सहभागिता की। अधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण विकास योजनाओं को धरातल पर प्रभावी बनाने के लिए ग्राम पंचायतों की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। जनप्रतिनिधियों से अपील की गई कि वे ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहयोग करें। सम्मेलन के दौरान विकास कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने, जनसमस्याओं के त्वरित समाधान तथा विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया। अंत में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने सामूहिक सहभागिता और जनसहयोग के माध्यम से वीबी-जी राम जी योजना समेत ग्रामीण विकास की योजनाओं को सफल बनाने का संकल्प लिया।

डा. वीरेन्द्र मिश्र की जयन्ती मनाई गई, योगदान की सराहना



स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय हेमवती नन्दन बहुगुणा पीजी कालेज के सभागार में बुधवार को प्रबन्ध समिति के पूर्व अध्यक्ष डा. वीरेन्द्र मिश्र की जयन्ती समारोहपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रबन्ध समिति की अध्यक्ष डॉ. पूर्णमा मिश्रा ने स्व० डा. वीरेन्द्र के चित्र पर मात्स्यार्पण कर किया। उन्होंने डा. वीरेन्द्र के चिकित्सा तथा शिक्षा के क्षेत्र में दिये गये योगदान पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि पूर्व प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

मिश्र व विशिष्ट अतिथि ई. जितेन्द्र त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम का संयोजन ई. सिद्धांत त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में डॉ. निशान्त कुमार पाण्डेय, डॉ. वाचस्पति मिश्र तथा डॉ. जितेन्द्र कुमार विश्वकर्मा ने भी अपने विचार रखे। संचालन डॉ. फर्ग्योद नारायण मिश्र ने किया। इस मौके पर डॉ. शिवकुमार यादव, डॉ. ऐश्वर्य तिवारी, डॉ. अभिषेक पाण्डेय, मयंक परमार, संतोष दुबे, डॉ. महेश पाण्डेय, डॉ. संतोष कुमार मिश्र, डॉ. सियाराम मोर्य, डॉ. नीलू शुक्ला, डॉ. प्रियंका आदि मौजूद रहे।

बारिश के कारण धंसी सड़क, आवागमन प्रभावित



स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। नाले पर बने पुल के समीप बारिश के कारण अचानक सड़क धंस जाने से मंगलवार की रात से आवागमन प्रभावित हो उठा है। लालगंज के नेशनल हाइवे रायबरेली के रानीगंज कैथौला से लवाना मार्ग पर विकास नगर के पास से

नाला गुजरता है। इस पर पुलिया का भी निर्माण हुआ है। पुलिया से जुड़ा पहुंच मार्ग मंगलवार की रात बारिश के कारण अचानक धंस गया। इसके कारण लवाना मार्ग पर आवागमन प्रभावित हो उठा है। लोगों ने कार्यदायी संस्था तथा प्रशासन से मार्ग को दुरुस्त कराये जाने की मांग उठाई है।

शारदा नदी का जलस्तर बढ़ने से जिला प्रशासन अलर्ट

तहसील प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। बनबसा बैराज से दो लाख क्यूसेक तक पानी छोड़े जाने के बाद शारदा नदी का जल स्तर बढ़ने के चलते जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ की संभावना के मद्देनजर लगातार सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में बुधवार को नायब तहसीलदार सौरभ दीप की उपस्थिति में शारदा नदी के जल स्तर, कटान और नदी किनारे स्थित संवेदनशील ग्रामों व बाढ़ चौकियों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान राणा प्रताप नगर, शास्त्री नगर, टिब्बा, हजारा, अयोध्या नगर बाढ़ चौकी, लाल बहादुर शास्त्री नगर स्थित बाढ़ शरणालय, तथा मोरनिया व गांधीनगर बाढ़ चौकियों का स्थलीय जायजा लिया गया। तहसील प्रशासन द्वारा बताया गया कि



देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि समय पर इलाज किया जा सके। इसके साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में किसी भी व्यक्ति को दवा की आवश्यकता होने पर त्वरित सहायता के लिए संबंधित चिकित्सा विभागों से समन्वय स्थापित किया गया है। हजारा, टिब्बा और शास्त्री नगर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में

मंगलवार की रात से शारदा नदी में 2 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर मौके पर मिले सभी कर्मचारियों को अपनी-अपनी इ्यूटी पूरी जिम्मेदारी और मुस्तेदी से निभाने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। मवेशियों व पशुओं में किसी भी प्रकार की बीमारी की सूचना तत्काल जिला और तहसील प्रशासन को

लोगों के लिए पके हुए भोजन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। ?इस निरीक्षण के दौरान प्रमुख निरीक्षक महेश पाल, लेखपाल आशीष निषाद, निर्देश दिए गए हैं। मवेशियों व पशुओं में किसी भी प्रकार की बीमारी की सूचना तत्काल जिला और तहसील प्रशासन को

लेखपालों की समस्याओं पर डीएम से वार्ता, समाधान का भरोसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की जिला कार्यकारिणी ने मंगलवार को जिलाधिकारी विशाख जी समेत प्रशासन एवं राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर लेखपालों की लंबित समस्याओं और विभागीय कार्यों में आ रही व्यवहारिक दिक्कतों को प्रमुखता से उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने समस्याओं के समयबद्ध निस्तारण की मांग की। अधिकारियों ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए नियमानुसार सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिया। जिला कार्यकारिणी ने जिलाधिकारी विशाख जी के अलावा अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) प्रदीप वर्मा और अपर जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह से भी मुलाकात की। इस दौरान राजस्व कार्यों के सुचारु संचालन, कार्यस्थल पर आने वाली व्यवहारिक समस्याओं, विभागीय दायित्वों के निर्वहन में आ रही परेशानियों और कर्मचारियों के हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। लेखपाल संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि लेखपाल राजस्व



विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में आम लोगों से जुड़े तमाम राजस्व कार्यों का दायित्व उनके ऊपर है। ऐसे में कर्मचारियों की समस्याओं का समय से समाधान होने से उनका मनोबल बढ़ेगा और राजस्व कार्यों की गति भी बेहतर होगी। जिलाधिकारी ने प्रतिनिधिमंडल की ओर से रखे गए सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासन और कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय एवं निरंतर संवाद पर जोर दिया। एडीएम वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा और एडीएम राकेश कुमार सिंह ने भी समस्याओं



के समाधान में सकारात्मक सहयोग का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष विश्वनाथ प्रताप सिंह ने कहा कि अधिकारियों के साथ सकारात्मक और सोहार्दपूर्ण संवाद कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण है। लेखपाल संघ समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर रखे गए सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाने पर आभार जताया। प्रतिनिधिमंडल में जिला मंत्री कुलदीप यादव, उपाध्यक्ष सच्चिदानन्द द्विवेदी समेत जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

11 हजार वोल्ट की लाइन की चपेट में आकर झुलसा किशोर, सांसद ने जाना हाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। निगोहां के डीह मजरा उतरावां गांव में मिलाद-उन-नबी के जुलूस के दौरान 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलसे 13 वर्षीय किशोर का हाल जानने बुधवार को सपा सांसद आरके चौधरी और पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर उसके घर पहुंचे। दोनों ने किशोर और उसके परिजनों से मुलाकात कर स्वास्थ्य की जानकारी ली और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों के मुताबिक गांव निवासी मो. असलम पुत्र बाबू बीती 27 अगस्त को मिलाद-उन-नबी के जुलूस में शामिल था। जुलूस के दौरान वह हाथ में झंडा लेकर चल रहा था। इसी बीच ऊपर से गुजर रही 11 हजार वोल्ट



की हाईटेंशन लाइन से झंडा छू गया। करंट की चपेट में आने से किशोर बुरी तरह झुलस गया। हादसे के बाद जुलूस में अफरा-तफरी मच गई। परिजन और ग्रामीण उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल ले गए। बुधवार को सांसद आरके चौधरी और पूर्व विधायक

अम्ब्रीश सिंह पुष्कर पीड़ित के घर पहुंचे और परिजनों से घटना की जानकारी ली। परिजनों ने गांव में जर्जर और नीचे लटक रही विद्युत लाइनों की समस्या भी बताई। सांसद ने मौके से ही बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता को फोन कर घटना

की जानकारी दी और जर्जर हाईटेंशन लाइन का तत्काल निरीक्षण कर दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। सांसद ने कहा कि आबादी और आवागमन वाले स्थानों से गुजर रही विद्युत लाइनों की स्थिति में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन कर ऐसी व्यवस्था की जाए, जिससे भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो। पूर्व विधायक ने भी विद्युत व्यवस्था की जांच कर आवश्यक सुधार कराने और पीड़ित परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष उमाशंकर वर्मा, जिला पंचायत सदस्य अरुण यादव, अशर्फी लाल धोमान, उमेश यादव, अनोद अहमद, हरिशंकर रावत, अकबर अली, इसरार, हासिम, झब्बू, दुन्नी और शालिम समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

एस. के. रॉय कॉलेज, काटलीछड़ा में माधवदेव तिथि पर भाषण एवं विजय प्रतियोगिता आयोजित।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि संवाददाता। महापुरुष श्री श्री माधवदेव की पावन तिथि के अवसर पर एस. के. रॉय कॉलेज, काटलीछड़ा की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा भाषण एवं विजय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी राघव चंद्र नाथ के मार्गदर्शन में किया गया। विजय प्रतियोगिता



में एनएसएस स्वयंसेविका पायल मिश्रा ने प्रथम, पिपा चक्रवर्ती ने द्वितीय तथा अनुज

शुक्लबैद्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, भाषण प्रतियोगिता में प्रिया चक्रवर्ती ने प्रथम स्थान हासिल किया। पूनम गोपे ने द्वितीय तथा प्रोशिमता दास ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. बिमान भट्टाचारजी ने सभी विजयी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बैनामे के भूखंड पर जबरन कब्जेदारी,विरोध पर पूर्व सैन्य अधिकारी और भाई पर हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीजीआई / लखनऊ। पीजीआई क्षेत्र के सरथुआ गांव में क्रय किये गये भूखंड पर दबंगों ने जबरन कब्जा कर लिया और निर्माण भी शुरू कर दिया।चल रहे निर्माण का विरोध करने पहुंचे भूखंड स्वामी और उसके भाई पर दबंगों ने कातिलाना हमला बोल दिया।आरोप है कि दबंगों ने लाठी डंडों और धारदार हथियार से मारपीट की। पीड़ित कैप्टन देवेन्द्र कुमार सिंह के मुताबिक वो बीते 31 अगस्त की शाम अपने छोटे भाई नायब सबेदार महेंद्र प्रताप सिंह के साथ नरपत्तिका बाजार स्थित मकान पर पहुंचे थे। इसी दौरान उन्होंने गाटा संख्या 663 में स्थित अपनी रजिस्ट्रीशुदा जमीन पर कुछ लोगों को निर्माण करते देखा।आरोप है कि निर्माण का विरोध करने के लिए महेंद्र प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे तो सतीश उर्फ गुड्डू,

कौशल किशोर, रामराज पुत्र मैकलाल और संजु राजा समेत कुछ अन्य लोगों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर देवेन्द्र कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे तो दबंगों ने उन्हें भी नहीं बक्सा। सूचना पर 112 पीआरवी मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को थाने चलने के लिए कहा। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस की मौजूदगी के बावजूद रात

करीब 10 बजे तक जमीन पर निर्माण कार्य चलता रहा। उन्होंने आशंका जताई कि यदि दोनों भाई मौके से नहीं हटते तो उनके साथ कोई गंभीर घटना हो सकती थी।पीड़ित भाइयों ने मामले की शिकायत पुलिस से की और आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए मामले को छानबीन शुरू कर दी है।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने व दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

मोहनलालगंज, लखनऊ। नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर घर से भगाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के आरोप में मोहनलालगंज पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने किशोरी को भी सकुशल बरामद कर लिया है। आरोपी को विधिक कार्रवाई के बाद न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के मुताबिक मंगलवार को किशोरी की मां ने थाने में तहरीर देकर बताया कि उनकी करीब 15 वर्षीय बेटी घर से लापता हो गई है। जानकारी करने पर पता चला कि उन्नाव के सोहरामऊ थाना क्षेत्र के बजेहरा गांव निवासी राज उर्फ दुशी पुत्र पिन्टू उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

मरौरी ब्लॉक प्रमुख ने बारिश से बर्बाद फसलों का देखा हाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। विकास खंड मरौरी की ब्लॉक प्रमुख सभ्यता वर्मा ने ग्राम मैदान, देवपुरा एवं कल्याणपुर नौगमा सहित कई गांवों का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने ब्लॉक प्रमुख को बताया कि लगातार हो रही अधिक वर्षा के कारण किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा है। इस पर ब्लॉक प्रमुख ने मौके पर पहुंचकर प्रभावित फसलों का जायजा लिया और किसानों से जानकारी ली। उन्होंने संबंधित



अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा

कि जिन किसानों की फसल बारिश से

प्रभावित हुई है, उनका शीघ्र सर्वे कराया जाए और नियमानुसार उन्हें मुआवजा दिलाने की कार्रवाई की जाए। ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा ने कहा कि किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर उठाया जाएगा और बारिश से हुई फसल क्षति का आकलन करकर प्रभावित किसानों को राहत दिलाने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने गांव में सरकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों को दी। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य मौजूद रहे। इनमें धर्मपाल, तेजराम, सोहनलाल, खुबचंद और शांति स्वरूप सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।